

घाटती घटना

सत्य के साथ... जनहित में बात...



www.ghatatighatana.com

अम्बिकापुर, तृर्ष 22, अंक - 339 - रविवार 11- अक्टूबर 2026, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050, डाक पंजीकन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028



जंतर-मंतर में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी पुलिस ने 7000 लोग को हिरासत में लिया

दिल्ली में जंतर-मंतर जाने के दौरान ममता-केजरीवाल हिरासत में लिए गए, युवक का सिर फटा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2026। दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सोरब दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया। पार्टी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकेडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। अब तक 7000 लोगों को कस्टडी में लिया गया। इस दौरान ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

प्रियंका गांधी ने कहा... तारकार को डर है, असलियत सामने आ जाएगी
प्रियंका गांधी ने कहा, 'पहले इन्होंने 254 सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की और उन्हें पूरी तरह गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। विपक्षी दलों के बाकी प्रदर्शनकारियों के साथ भी इन्होंने यही किया। इसके बाद इन्होंने देश की राजधानी की घेराबंदी कर दी।' उन्होंने कहा, 'अगर यह इस बात का सबूत नहीं है कि इन्होंने चुनाव आयोग के साथ मिलकर



देश संसद से चलेगा सड़क से नहीं: रवि शंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, 'आज जो दिन भर से चला है और इसके पहले तीन दिन तक चला है, उससे दो बातें स्पष्ट आई हैं। अराजकता को प्रोत्साहित करने की कोशिश को भारत के लोकतंत्र ने ध्वस्त किया है। एक और संदेश गया है कि देश संसद से चलेगा, सड़क से नहीं। कल नतीजे आए असम में भाजपा जीती नंदीग्राम में जीती और एक क्षेत्र तो 70 फीसदी अल्पसंख्यक मतदाता प्रभावित है वहां भी भाजपा 70 हजार से ज्यादा वोटों से जीती। पुडुचेरी में एनडीए जीती। ये सभी नतीजे तब आए हैं जब दिल्ली में पिछले कई दिनों से ये सारी 'खुराकत' हो रही है... आपने अपनी हार के कारण सड़क के प्रदर्शन को हथियार बना दिया है। उसमें भी आप सभी लोग एक साथ नहीं चल रहे हैं, एक प्रतिस्पर्धा है। राहुल गांधी के लोग तीन दिन रहे, फिर आ गए आम आदमी पार्टी की 'रीडो बोक्सिंग' करने वाले सीजेपी... आपने देखा होगा कि सुबह से उनका नाटक चल रहा था, बाद में अरविंद केजरीवाल और बाकी लोग आ गए और बाद में ममता बनर्जी, सीपीआई आदि भी आ गए। ये जो हारे हुए हताश लोग हैं, उन्होंने दिल्ली की जनता को पिछले कई दिनों से परेशान कर रखा है। हमें हिंदुस्तान की जनता पर गर्व है कि उन्होंने उनके षड्यंत्र को असफल किया है।

चुनाव में धोखे की है और अब इन्हें डर सामने आ जाएगा और जनता जबब है कि इनकी सरकार की असलियत मांगेगी, तो फिर यह क्या है? '

दिल्ली पर कदम रखते ही सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पुलिस हिरासत में लिए गए...

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए दिल्ली पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दीपके को विमान से ही हिरासत में ले लिया गया। उनके साथ सोरब दास और आशुतोष रांका भी हैं। दिल्ली पुलिस इस वक्त किसी भी हालत में सीजेपी कार्यकर्ताओं को जंतर-मंतर जाने से रोकने के लिए चौकस है। जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दीपके, सोरब



और रांका के साथ मुंबई एयरपोर्ट से रवाना हुए। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर उन्हें विमान से उतारने नहीं दिया और वहीं से हिरासत में लिया गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अभिजीत ने कहा कि वह यहां गिरफ्तार होने आए हैं। दिल्ली पुलिस के जवानों ने उनसे कहा, नहीं, यह गिरफ्तारी नहीं है। कृपया सहयोग करें। इससे पहले दिल्ली पुलिस सीजेपी के आज प्रस्तावित प्रदर्शन के शुरू होने से पहले हाल ही में जर्मनी से लौटे चर्चित यू-ट्यूबर ध्रुव राठी को हिरासत में ले लिया। राठी को हरियाणा के उनके गुरुग्राम स्थित आवास से हिरासत में लिया है।



बदलते युद्ध के दौर में सिर्फ हथियार नहीं, तकनीक और आत्मनिर्भरता भी जरूरी: राजनाथ सिंह

जोधपुर, 10 अक्टूबर 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आधुनिक दौर में सुरक्षा का मतलब केवल सीमा की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि नई तकनीकों और आत्मनिर्भरता के बल पर वैश्विक स्तर पर खुद को मजबूत बनाना भी है। उन्होंने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध और संकट के समय कोई भी देश लंबे समय तक युद्ध नहीं लड़ सकता, जब तक कि वह खुद अपने हथियार और महत्वपूर्ण तकनीक न बनाता हो। इसी कड़ी सोच ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अपनी राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए प्रेरित किया है। सिंह शनिवार को एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना के युद्धाभ्यास तंत्र शक्ति में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान समय की सच्चाई को समझा है कि संकट के समय कोई भी देश लंबे समय तक चलने वाले युद्ध तब तक नहीं लड़ सकता जब तक कि वह अपने हथियार और जरूरी टेक्नोलॉजी खुद बनाने में सक्षम न हो। इसी वजह से हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय नीति के तौर पर अपनाया। हमने ध्रुव, प्रचंड सहित अन्य विकसित किए। रक्षा मंत्री ने कहा कि समय बदल रहा है। हवा और समुद्र के अलावा अन्य विकल्प हैं। साइबर, स्पेस, इंफार्मेशन का उपयोग न्यू नार्मल हो गया। महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों, महत्वपूर्ण समुद्री रेंज और कमजोर चोक प्वाइंट को सक्रिय हथियार बना रहे हैं। इस दौरान अनमंड हथियारों का उपयोग बढ़ा है। भारत रणनीतिक प्रभावों के साथ अपने क्षेत्र और उससे परे के विकास की लगातार निगरानी कर रहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध की तकनीक लगातार बदल रही है। बिना पायलट वाले सिस्टम और ड्रोन ने मिलिट्री ऑपरेशन की रफ्तार, दायरा और तरीका बदल दिया। एआई फैसले के तरीके बदल रहा है।



लोकतंत्र खत्म करने वालों से न डरें: राहुल गांधी चेन्नई में छात्रों की गूंज में कहा... वोट चोरी हो रहा, दक्षिण के 7.5 करोड़ युवाओं पर फोकस

चेन्नई, 10 अक्टूबर 2026। राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरने की जरूरत नहीं है। आइलैंड ग्राउंड्स में 30 मिनट के कार्यक्रम में राहुल ने कहा... सवाल पूछना हर स्टूडेंट की जिम्मेदारी है। सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है। तमिल कल्चर, भाषा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। राहुल कोटा, देहरादून, प्रयागराज, गुण और इंदौर में युवाओं और छात्रों से इस कार्यक्रम में बात कर चुके हैं। यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में हो रहा है।

राहुल बोले... लोकतंत्र खत्म करने वालों से डरना नहीं है...

राहुल ने कहा... पीएम मोदी को प्रोत्साहित है, चाहे वो फाइनेशियल फोर्स के जरिए हों या इंटरनेशनल दबाव में। वे लोग मोदी को कोटल कर रहे हैं। मोदी अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं। देश का मूड जनता जान गई है, सिर्फ दिल्ली ही नहीं पूरे देश के लोगों से कहना चाहता हूँ कि आपको डरने की जरूरत नहीं है। लोकतंत्र को खत्म करने वालों से डरना नहीं है, दुनिया की कोई भी ताकत उन्हें इसकी सजा



भुगतने से नहीं रोक सकती।

15 साल से चला आ रहा गेम अब खत्म : राहुल बोले... मोदी जिज्ञासा की फाउंडेशन को नष्ट कर रहे हैं। वे वोट चोरी इलेक्शन चोरी कर रहे हैं। आपने आज दिल्ली में देखा पूरा शहर बंद कर दिया। पुलिस बच्चों को मार रही है, इंटरनेट बंद है। भाजपा के गुंडे सड़क पर घूम रहे, बच्चों को पीट रहे हैं। समस्या यह है कि मोदी को नहीं पता कि उनका खेल खत्म हो गया है। 15 साल से चला आ रहा गेम अब खत्म है। मोदी ने इस देश के साथ जो किया उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। चाहे वो पीएम हों, गृहमंत्री हों। मोर्गेबो मोदी भारत के लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं।

राहुल से बोला युवक... टू लेंगे जेज पॉलिस्ती से विरति हूँ...

राहुल से मंच पर एक अन्य युवक ने कहा... मैंने काफी कठिनाई से पढ़ाई की। मैं सुंदर गांव आता हूँ। मैंने इतिहास में पीजी किया, लेकिन आज भी टांसलेशन की जरूरत पड़ती है। मैंने न्यू एजुकेशन पॉलिस्ती पर सवाल उठाया। मैं वो भाषा को लेकर काफी विवित हूँ, इससे मुझे डर लगता है। मैं एजुकेशन सिस्टम के प्राइवटाइजेशन से डरता हूँ क्योंकि मैं सरकारी स्कूल से पढ़कर आया। शिक्षा के जरिए मैं यहां खड़ा हो पाया, लेकिन मेरे जैसे कई हैं जिनको मौका नहीं मिलता, वे पीछे रह जाते हैं।

नीट पेपर लीक में जान गंवाने वाले छात्र का भाई राहुल से मिला

मंच पर आया युवक राहुल से बोला... मैं उस बहन का भाई हूँ जिसकी नीट पेपर लीक मामले में जान चली गई। मैं आज दुनिया को बताने आया हूँ कि उसने अपनी मौत से क्या सिखाया। वह जेडर, कॉस्ट और अन्य तरह के भेदभाव में विश्वास नहीं करती थी। वह दलित थी। मुझे लगता है कि शिक्षा इकलौता हथियार है, जिसके जरिए गरीबी से बाहर निकाला जा सकता है। मेरे पिता ने हमें इसीलिए पढ़ाया, मेरी बहन भी पढ़ने में होशियार थी।

देवबंद में ज्योत पदयात्रियों को कैटर ने रौंदा, चार श्रद्धालुओं की मौत, 15 घायल

सहारनपुर, 10 अक्टूबर 2026। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शाकंभरी देवी की ज्योत लेकर पदयात्रा करते हुए लौट रहे श्रद्धालुओं को शनिवार सुबह देवबंद में हाईवे स्थित फ्लाईओवर पर बर्तनों से भरे कैटर ने टक्कर मार दी। हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतक मेरठ जिले के सरधना क्षेत्र के कुशावली गांव के निवासी थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अरविंद चौहान और एसएसपी अभिनंदन सहारनपुर के जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जानते हुए उनके बेहतर इलाज के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि सरधना क्षेत्र के कुशावली गांव के करीब 19 लोग सात अक्टूबर को ट्रैक्टर ट्राली द्वारा



शाकंभरी देवी के दर्शन करने गए थे। शनिवार सुबह करीब सात बजे सभी माता की ज्योत लेकर पदयात्रा करते हुए वापस लौट रहे थे। इसी दौरान देवबंद में हाईवे स्थित फ्लाईओवर पर पीछे से आए तेज रफ्तार बर्तनों से भरे कैटर ने ट्रैक्टर ट्राली में टक्कर मार दी। अचानक हुए हादसे में कुशावली गांव निवासी रमेश (40) सागर (40) अमन (23) और सतेंद्र की मौत हो गई। हादसे में 15 से अधिक श्रद्धालु घायल भी हुए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हुई है।

संपादकीय

मस्क के दबाव में आने से बचे भारत

पांच साल पहले स्टारलिनक के तत्कालीन भारत प्रमुख ने एलान किया था कि 2022 के अंत तक देश में 2,00,000 टर्मिनल चालू कर दिए जाएंगे,जिनमें से ज्यादातर गांवों में होंगे। कंपनी ने करीब 5,000 भारतीयों से प्री-आर्डर भी ले लिए,जबकि उसके पास लाइसेंस नहीं था। दूरसंचार विभाग ने उसे रुकने और पैसा लौटाने को कहा और कुछ ही समय बाद भारत प्रमुख ने पद छोड़ दिया। ह्वाल में इंडिया मोबाइल कांग्रेस में स्पेसएक्स की एक वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि स्टारलिनक भारत की सेवा के लिए तैयार है,जब भी भारत तैयार हो। उनके बास एलन मस्क में इतना सब्र नहीं था। उन्होंने लिखा,भारत में कुछ खास धनकुबेर इस सेवा को रोक रहे हैं और उन्होंने इसे भारत की जनता के खिलाफ अपराध भी बताया। इसके बाद उन्होंने एक तरह से भारत सरकार को कोसना शुरू कर दिया। सरकार के टिउकने के लिए इतना ही काफी होना चाहिए। स्टारलिनक को भारत आने से मना करने की वजहें और भी हैं।

स्टारलिनक सेवा के मामले में दलील हमेशा कुछ ऐसी रहती है- हिमालय की एक कक्षा,पूवॉत्तर का एक विलिनिक, मौसम का हाल देखाता एक मछुआ- इन सबको लाभ मिलेगा। खबरों के मुताबिक स्टारलिनक किट की कीमत ₹33,000 से ₹35,000 है और मासिक शुल्क कम से कम ₹3,000। इसकी तुलना उससे कीजिए,जो भारतीय आज चुकाते हैं। फाइबर कनेक्शन ₹500 से ₹1,500 महीने में मिल जाता है और उसे लगवाने का खर्च स्टारलिनक किट के मुकाबले बहुत मामूली है। मोबाइल डेटा करीब ₹10 प्रति जीबी है। आम परिवार अपना इंटरनेट बिल ₹1,000 से नीचे रखता है। स्टारलिनक का मासिक शुल्क उसके सबसे करीबी विकल्पों से दो से पांच गुना है और हार्डवेयर लागभग पंद्रह गुना महंगा। माना जा रहा है कि स्टारलिनक भारत में एक प्रीमियम निश बना रहेगा यानी गिने-चुने संस्र ग्रहकों की सेवा। इसके संभावित खरीदार रिजॉर्ट, दूरदराज के कार्यस्थल और बैकअप लाइन चाहने वाली कंपनियां हो सकती हैं। गांव का आदमी इस कहानी में तभी आता है,जब सरकार पैसा भरे यानी जनता का पैसा एक विदेशी कंपनी के पास जाए- उस काम के लिए जिसके लिए भारतनेट को पैसा दिया गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवादी गुटों से सुरक्षा के उपकरण बरामद किए थे और तब ऐसी भी खबरें आई थीं कि म्यांमार सीमा के पास उग्रवादियों ने हिंसा के दौरान इंटरनेट बंदी से बचाने के लिए तस्करों से लाए गए उपकरणों का इस्तेमाल किया। अंडमान में हुई एक ज्व्ती में भी एक टर्मिनल मिला था। दूसरे देशों ने भी यही देखा है। बोलीविया ने स्टारलिनक को लाइसेंस देने से मना किया,फिर भी वहां पड़ोसी देशों से किट पहुंचीं और वे ब्राजील या चिली के पतों पर रजिस्टर कराई गईं।



डॉ.सत्यवान सौरभ

रेपो रेट की बढ़ोतरी: महँगाई पर लगाम,लेकिन विकास की कीमत पर नहीं

मौद्रिक नीति का यह औजार मांग को नियंत्रित कर कीमतों पर दबाव डटाता है,पर भारत जैसी अर्थव्यवस्था में खाद्य और ईंधन की महँगाई से निपटने के लिए आपूर्ति-पक्ष के उपाय भी जरूरी महँगाई किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए केवल बढ़ती कीमतों का सवाल नहीं है, बल्कि यह आम नागरिक की क्रयशक्ति, बचत, निवेश और जीवन-स्त की सीधे प्रभावित करती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो समान आय में परिवार पहले की तुलना में कम वस्तुएँ खरीद पाते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की होती है। इसी उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर रेपो रेट में बदलाव करता है।

रेपो रेट वह दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक धन उधारब्यक्त करता है। जब आरबीआई रेपो रेट बढ़ाता है, तो बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से धन लेना

महँगा हो जाता है। इसका असर धीरे-धीरे बैंक ऋण की लागत पर पड़ता है और घरों तथा व्यवसायों के लिए कर्ज लेना महँगा हो सकता है। यही प्रक्रिया अर्थव्यवस्था में मांग को नियंत्रित करने और मांग-जनित महँगाई को कम करने में मदद करती है।

रेपो रेट बढ़ने का सबसे सीधा प्रभाव ऋण की लागत पर पड़ता है। यदि गृह ऋण,वाहन ऋण या व्यक्तिगत ऋण महँगे होते हैं, तो उपभोक्ता नए कर्ज लेने या बड़ी खरीदारी करने से बच सकते हैं। मौजूदा ऋण लेने वालों की ईएमआई भी बढ़ सकती है,जिससे उनकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में चला जाता है। परिणामस्वरूप उनके पास गैर-जरूरी वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करने के लिए कम धन बचता है। उपभोग में यह कमी कुल मांग को नियंत्रित करती है और मांग के अत्यधिक दबाव से पैदा होने वाली महँगाई को कम करने में मदद करती है। इसका प्रभाव केवल परिवारों तक सीमित नहीं रहता। कंपनियाँ भी बैंक ऋण के माध्यम से नए कारखाने,मशीनरी,भवन और कारोबारी परियोजनाएँ शुरू करती हैं। ब्याज दर बढ़ने पर परियोजनाओं की वित्तीय लागत बढ़ जाती है। कई कंपनियाँ ऐसे निवेश को कुछ समय के लिए टाल सकती हैं,जिनसे अपेक्षित लाभ ब्याज लागत की तुलना में कम हो। इससे अत्यधिक आर्थिक गतिविधि पर कुछ नियंत्रण आता है और अर्थव्यवस्था में मांग का दबाव कम हो सकता है।

रेपो रेट का एक महत्वपूर्ण प्रभाव बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि पर भी पड़ता है। महँगे ऋण के कारण बैंक ऋण की मांग घट सकती है। यदि अर्थव्यवस्था में कर्ज बहुत तेजी से बढ़ रहा हो और उसके कारण उपभोग तथा निवेश असामान्य रूप से बढ़ रहे हों,तो मौद्रिक सख्ती उस गति को संतुलित करने का काम करती है। महँगाई केवल वर्तमान कीमतों का



विषय नहीं है,भविष्य में कीमतें कितनी बढ़ेंगी,इसकी लोगों की धारणा भी महत्वपूर्ण होती है। जब आरबीआई महँगाई के दबाव के बीच रेपो रेट बढ़ाता है,तो वह बाजार को यह संकेत देता है कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता दे रहा है। इससे महँगाई की अपेक्षाओं को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। यदि व्यवसायों और उपभोक्ताओं को विश्वास हो कि केंद्रीय बैंक कीमतों को अनियंत्रित नहीं होने देगा, तो वे भविष्य की कीमतों और मजदूरी को लेकर अत्यधिक मुद्रास्फीतिकारी निर्णय लेने से बच सकते हैं।

रेपो रेट में बढ़ोतरी का एक अन्य संभावित प्रभाव रुपये की विनिमय दर पर पड़ सकता है। अपेक्षाकृत ऊँची घरेलू ब्याज दरें वित्तीय परिसंपत्तियों को अधिक आकर्षक बना सकती हैं और पूँजी प्रवाह को समर्थन मिल सकता है। इससे रुपये पर अत्यधिक अवमूल्यन का दबाव कम हो सकता है। भारत कच्चे तेल सहित कई महत्वपूर्ण वस्तुओं का आयात करता है। रुपये की कमजोरी से आयात महँगा होता है और इससे आयातित महँगाई बढ़ सकती है। इसलिए विनिमय दर में स्थिरता भी महँगाई नियंत्रण में अप्रत्यक्ष भूमिका निभा सकती है।

हालाँकि,रेपो रेट बढ़ाना कोई ऐसा उपाय नहीं है जिसका अर्थव्यवस्था पर

केवल सकारात्मक प्रभाव पड़े। इसका सबसे बड़ा जोखिम आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है। ऊँची ब्याज दरों से परिवारों का खर्च घट सकता है और कंपनियों का निवेश धीमा हो सकता है। इसका प्रभाव आवास, ऑटोमोबाइल,निर्माण और अन्य ब्याज-संवेदनशील क्षेत्रों पर अपेक्षाकृत अधिक पड़ सकता है। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह चुनौती और गंभीर हो सकती है,क्योंकि वे अक्सर बैंक ऋण पर अधिक निर्भर होते हैं। दूसरी ओर,बचतकर्ताओं को बड़ी हुई ब्याज दरों से कुछ लाभ मिल सकता है। बैंकों द्वारा जमा पर अधिक ब्याज दिए जाने की स्थिति में सार्वधि जमा और अन्य बचत साधनों का आकर्षण बढ़ सकता है। इससे उपभोग की बजाय बचत को प्रोत्साहन मिलता है,जो अत्यधिक मांग को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

लेकिन भारत में महँगाई का बड़ा हिस्सा हमेशा मांग से पैदा नहीं होता। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून,आपूर्ति बाधाएँ, वैश्विक, जिस कीमतों में उछाल, कच्चे तेल की कीमत और भू-राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियाँ आपूर्ति-पक्ष की महँगाई पैदा कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में केवल रेपो रेट बढ़ाने से समस्या का

मूल समाधान नहीं होता। उदाहरण के लिए,यदि प्याज या टमाटर की कीमत आपूर्ति कम होने के कारण बढ़ रही है, तो ब्याज दर बढ़ाने से इनकी आपूर्ति तत्काल नहीं बढ़ेगी।

इसलिए भारत में महँगाई नियंत्रण की रणनीति बहुआयामी होनी चाहिए। आरबीआई को महँगाई और आर्थिक विकास के बदलते संकेतकों के आधार पर रेपो रेट में सावधानीपूर्वक बदलाव करना चाहिए। सरकार को खाद्य भंडारण, कृषि आपूर्ति श्रृंखला,परिवहन, आयात-निर्यात प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा। ऊर्जा सुरक्षा के लिए कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाना भी महत्वपूर्ण है।

महँगाई और विकास के बीच संतुलन ही मौद्रिक नीति की असली परीक्षा है। बहुत कम ब्याज दरें लंबे समय तक बनी रहें तो अत्यधिक मांग और संपत्ति मूल्यों में असंतुलन पैदा हो सकता है, जबकि अत्यधिक ऊँची दरें आर्थिक गतिविधियों और रोजगार पर दबाव डाल सकती हैं। इसलिए रेपो रेट को महँगाई के खिलाफ एकमात्र हथियार के बजाय व्यापक आर्थिक नीति के एक महत्वपूर्ण औजार के रूप में देखना चाहिए।

अंततः रेपो रेट में बढ़ोतरी मांग-जनित महँगाई को नियंत्रित करने,ऋण वृद्धि की गति कम करने और महँगाई की अपेक्षाओं को स्थिर करने में प्रभावी हो सकती है। लेकिन भारत जैसी विशाल और विविध अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता केवल ब्याज दरों से हासिल नहीं की जा सकती। मौद्रिक नीति के साथ प्रभावी राजकोषीय नीति, बैंकवार आपूर्ति प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा विविधीकरण और स्पष्ट नीतिगत संवाद आवश्यक हैं। महँगाई पर लगाम ऐसी नीति चाहिए कि कीमतों का दबाव भी कम हो और विकास का पहिया भी अनावश्यक रूप से धीमा न पड़े।

प्रत्याशी उत्तीर्ण करें नेता पात्रता परीक्षा (लेट) : डॉ. सुनील सावन

डॉ. सुनील सावन,कुशीनगर,उत्तर प्रदेश

ताजुब की बात है कि आज भी संविधान में देश का प्रथम नागरिक राष्ट्रपति बनने के लिए भी न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता का प्रावधान नहीं है। सभासद, अध्यक्ष,विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री,प्रधानमंत्री इत्यादि बनने के लिए भी पढ़ा-लिखा होना कोई जरूरी नहीं है। यहां तक कि शिक्षा मंत्री बनने के लिए भी शिक्षित होना जरूरी नहीं है। यह विचारणीय मुद्दा है ना? संविधान सृजन के वक्त देश की शैक्षणिक स्थिति की शैशवावस्था थी। आज का भारत नया भारत है। सरकार और जनता के सामूहिक प्रयास से हमारी शैक्षणिक स्थिति प्रशंसनीय है। इसीलिए राष्ट्रहित हेतु संविधान संशोधन करके ग्राम प्रधान, सभासद, अध्यक्ष, विधायक, सांसद, शिक्षा मंत्री, रक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति इत्यादि गरिमामय पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं लेट (नेता पात्रता परीक्षा) के पश्चात् चयनित प्रत्याशियों के लिए मतदान की नियमावली जरूरी है।

नेता पात्रता परीक्षा का उद्देश्य लोकतंत्र में जनता के अधिकार को सीमित करना नहीं,बल्कि जन प्रतिनिधियों की संवैधानिक समझ, प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही को मजबूत करना होना चाहिए।



प्रकाशक: डॉ.क. प्रदीप-वक्ता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति,2020 का लक्ष्य है - शत-प्रतिशत नामांकन अर्थात् समग्र शिक्षा। सरकार कहती है...सब-पढ़ें, सब-बढ़ें। इसी में सरकार की सफलता है। जब सब पढ़ें,सब बढ़ें,तो फिर नेता जी क्यों न पढ़ें,क्यों न बढ़ें? जैसे शिक्षक बनने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है,वैसे ही नेता बनने के लिए नेता पात्रता परीक्षा (लेट) उत्तीर्ण होना अनिवार्य होना चाहिए। लोक हित हेतु नेतागण की शैक्षणिक अर्हता,पात्रता, मतदान एवं अनुभव की दृष्टि से संविधान संशोधन समय की मांग है। राजनीति देश की दिशा और दशा तय करती है और राजनेता राजनीति की दिशा और दशा निर्धारित करते हैं।

जैसा राजनेता होगा वैसी राजनीति होगी। इसलिए प्रत्याशियों की शैक्षणिक अर्हता एवं चयन परीक्षा के पश्चात् चयनित उम्मीदवारों का चुनाव होना अनिवार्य है। राष्ट्रहित हेतु पचाों दाखिला से पहले परीक्षा दाखिला जरूरी है। राजनेता का चयन विवेकपूर्ण होना चाहिए। यह जनता के लिए चुनौती पूर्ण कार्य है। जनता और विवेक दोनों ही शब्द विचारणीय हैं। इसलिए मतदान से पूर्व राजनीतिक बुद्धि परीक्षण हेतु राजनेताओं की परीक्षा अत्यावश्यक है। प्रत्याशियों की संख्या निर्धारित होनी चाहिए जिनका चयन परीक्षा के माध्यम से होना चाहिए,फिर जनता चुने अपना मुखिया...।

जिस देश की कार्यपालिका,

न्यायपालिका और विधायिका में जितना समन्वय होता है उस देश की उतनी ही समृद्धि होती है। समन्वय और समृद्धि का सीधा संबंध शिक्षा से है। शिक्षा का सीधा संबंध परीक्षा से है। परीक्षा उत्तीर्ण करके अधिवक्ता न्यायाधीश बनता है,परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रबुद्ध नागरिक जिलाधीश बनता है,तो फिर उन नेतागण की परीक्षा क्यों नहीं होती है; जो सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश का संचालन करते हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। जनता को मताधिकार प्राप्त है। यही आम आदमी की शक्ति है। यह हमारी अनुपम उपलब्धि है,लेकिन जनता के सामने सबसे गंभीर समस्या यह है कि वह अपना बहुमूल्य मत किसे दे? मजबूरी वश या तो वह आंख मूंदकर किसी को भी मत दे देती है या फिर नोट बदन दबाकर आती है। नेता पात्रता परीक्षा के माध्यम से प्रत्याशियों की गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता है। प्रत्याशियों के पचाों दाखिला से पहले परीक्षा होनी चाहिए। परीक्षा का पाठ्यक्रम पद एवं सेवा-क्षेत्र से संबंधित होना चाहिए। जो प्रत्याशी अपने पद से संबंधित समझ रखे और लेट उत्तीर्ण करे उसे ही चुनाव लड़ने

का अधिकार प्राप्त हो। इससे राजनीति की गरिमा बढ़ेगी,देश को प्रबुद्ध राजनेता मिलेगा और हमारा चहुंमुखी विकास होगा।

कल्पना कीजिए यदि ग्राम प्रधान, सभासद और अध्यक्ष सुशिक्षित होंगे तो गांव का कैसा स्वरूप होगा। यदि मुख्यमंत्री सुशिक्षित होंगे तो वह रोजगार, शिक्षा, गरीबी, अर्थव्यवस्था इत्यादि जरूरी मुद्दों पर विचार करेंगे,प्रगतिशील पहल करेंगे और राज्य का विकास होगा। यदि प्रधानमंत्री सुशिक्षित,कुशल राजनीतिज्ञ और चिन्तक होंगे तो वह जिलाधीश और न्यायाधीश की तरह चिन्तन करेंगे और देश के साथ न्याय करेंगे। देश में सुख,शांति और सुकून का वातावरण रहेगा।

अनुभवी शिक्षाविद् को शिक्षा मंत्री बनाओ। प्रबुद्ध चिकित्सक को स्वास्थ्य मंत्री बनाओ,खेल विरोधज्ञ को खेल मंत्री बनाओ। जैसा मंत्रालय, वैसा मंत्री। मंत्रालय के अनुरूप ज्ञान, अनुभव और प्रशासनिक दक्षता को प्राथमिकता मिले। इसलिए पचाों दाखिला से पूर्व परीक्षा दाखिला अत्यावश्यक है।

शैक्षणिक अर्हता, अनुभव, नेता पात्रता परीक्षा और संयत मत राजनीति को सार्थक,लोकतंत्र को सफल और देश को सबल बनाएगी।

नवरात्रि विशेष

राजीव नन्दन मिश्र, भोजपुर, बिहार

आज शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हुआ है। श्रद्धालु पिछले दिनों की तैयारी के बाद आज से पूजन एवं व्रतादि को प्रारम्भ करेंगे प्रत्येक वर्ष देवी के आगमन एवं गमन की सवारी अलग-अलग होती है। माँ के आगमन एवं गमन का प्रभाव मनुष्य के जीवन एवं संसार के समस्त गतिविधियों पर पड़ता है।देवी पुराण में इस संदर्भ में श्लोक प्राप्त होता है ... **आगमन का श्लोक- शशि सूर्य गरुडका शनिभौमे तुरंगमे। गुरोशुक्ले च दोलाया बुधे नौकाप्रकीर्तिता ।।**

श्लोक के अनुसार देवी के आगमन सप्ताह के दिनों पर आधारित होता है। इस अनुसार इस वर्ष माँ का आगमन गज अर्थात् हाथी पर हो रहा है। देवी पुराण में ही वर्णित अन्य श्लोक के अनुसार जब देवी दुर्गा गज पर सवार होकर आती हैं,तो इसे उस सम्पूर्ण वर्ष को अच्छी वर्षा और सुख-समृद्धि का संकेत माना जाता है,जो इस वर्ष है। आज से नव दिनों तक भक्तजन अलग-अलग प्रकार से देवी के अलग-अलग स्वरूपों का पूजन-भजन,आरती,स्तुति करेंगे जिससे देवी उनपर प्रसन्न हो।

देवी का प्रथम स्वरूप शैलपुत्री देवी शैलपुत्री का ध्यान मंत्र- वन्दे वाछितालाभाय,

चंद्रार्धकृतशेखराम। वृषारूढा शूलपारा,शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ।। देवी का बीज मंत्र - !! ॐ देवी शैलपुत्री नमः !! देवी का स्वरूप और महत्व - शैल का अर्थ होता है-पर्वत। पर्वतों के राजा हिमालय के घर सुपुत्री के रूप में अवतार लेने के कारण देवी का नाम शैलपुत्री पड़ा। इनमें अचलता, धीरज और असीम करुणा का वास है। माता की सवारी वृषभ अर्थात् बैल है, इसीलिए इन्हें वृषारूढ़ा के नाम से भी जाना जाता है। वृषभ का अर्थ धर्म होता है अर्थात् माँ धर्मरूपी सवारी पर सवार होकर अधर्म का नाश करती हैं। इनके दाएँ हस्त में त्रिशूल तो वहीं बाएँ हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है। त्रिशूल जहाँ पापुष्यों का विनाश करता है,वहीं भक्तों को अभयदान भी प्रदान करता है। बाएँ हस्त में सुशोभित कमल का पुष्प ज्ञान और परम शांति का प्रतीक है। जहाँ एक तरफ देवी त्रिशूल से शत्रुओं का नाश करती है वहीं भक्तों की रक्षा करने हेतु सदा तत्पर रहती हैं। इनके मस्तक पर अर्द्धचन्द्र। इस रूप के दर्शन से चित्त को शान्ति मिलती है। माँ का स्वरूप सौम्य,अटल एवं तेजस्वी है। यह स्वरूप देवी पार्वती और देवी हेमवती के नाम से भी विख्यात है।



ललित कर्मा,पटपडुङग,नई दिल्ली

भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं,जो अपने समय की सीमाओं को तोड़कर आने वाली पीढ़ियों के लिए विचार,आदर्श और प्रेरणा के शाश्वत स्रोत बन जाते हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ऐसे ही महान जननायक थे,जिन्होंने सत्ता के शिखरों पर पहुंचने की अपेक्षा जनसेवा के रास्ते पर चलना पसंद किया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में विदेशी सत्ता को चुनौती दी और स्वतंत्र भारत में जब सत्ता निरंकुशता,भ्रष्टाचार तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण की ओर बढ़ती दिखाई दी,तब उसके विरुद्ध जनचेतना का शंखनाद किया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि राजनीति की वास्तविक शक्ति पद,प्रतिष्ठा और सत्ता में नहीं, बल्कि नैतिक साहस,विश्वास और सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित होती है। आज जब भारतीय राजनीति में सत्ता की आकांक्षा, आरोप-प्रत्यारोप और विरोध के लिए विरोध की प्रवृत्ति दिखाई देती है,तब जयप्रकाश नारायण की जयंती हमें आत्मसमर्थन का अवसर देती है। उनके विचारों को स्मरण

करना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उन्हें वर्तमान राजनीतिक व्यवहार में उतारना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जयप्रकाश नारायण की जीवनयात्रा संघर्ष,त्याग और वैचारिक परिवर्तन की विलक्षण गाथा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया, जेल की यातनाएं सहें और हजारोंबाग जेल से साहसिक पलायन कर क्रांतिकारी युवाओं के लिए प्रेरणा बने। स्वतंत्रता के बाद उनके सामने सत्ता और पद प्राप्त करने के अनेक अवसर थे,लेकिन उन्होंने सत्ता की राजनीति के बजाय समाज परिवर्तन का मार्ग चुना। समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहने के बाद वे विनोद भावे के भूदान आंदोलन से जुड़े और ग्राम स्वराज,सामाजिक समानता तथा नैतिक पुनर्जागरण के पक्षधर बने। उनका विश्वास था कि केवल सरकार बदलने से समाज की समस्याएं समाप्त नहीं होतीं,बल्कि इसके लिए व्यक्ति,समाज और व्यवस्था के चरित्र में परिवर्तन आवश्यक है।

जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष उनकी सत्ता-निरपेक्षता थी। वे सत्ता पर अधिकार करने के बजाय सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना चाहते थे। उनका राजनीतिक दर्शन इस विचार पर आधारित था कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव कराना और बहुमत के आधार पर सरकार बना लेना नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता तब है,

जब नागरिकों को न्याय मिले,शासन पारदर्शी हो,सत्ता जनहित के प्रति उत्तरदायी रहे और आम आदमी की आवाज का सम्मान किया जाए। वे राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की सीढ़ी नहीं,बल्कि लोककल्याण का माध्यम मानते थे। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन भी केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहा,बल्कि उसने राजनीतिक व्यवस्था की नैतिकता पर व्यापक बहस को जन्म दिया। सन् 1974 में बिहार से आरंभ हुआ उनका संपूर्ण क्रांति आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का निर्णायक अध्याय बना। भ्रष्टाचार, महँगाई, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के विरुद्ध उठी युवाओं की आवाज को उन्होंने व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वर दिया। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू होने के बाद लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं पर लगे प्रतिबंधों के विरुद्ध उनका संघर्ष और अधिक प्रसंगिक हो गया। वे स्वयं गिरफ्तार किए गए, लेकिन उनका विचार और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जनमानस में जीवित रही। वर्ष 1977 में जनता पार्टी की जीत और केंद्र में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार के गठन में उनकी निर्णायक भूमिका रही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि संगठित जनशक्ति और नैतिक नेतृत्व के सामने बड़ी से बड़ी सत्ता को भी चुनौती दी जा सकती है। हालांकि, उनका सपना



केवल एक सरकार को हटाना नहीं, बल्कि ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करना था, जिसमें सत्ता सेवा का पर्याय बने।

संपूर्ण क्रांति का दर्शन उनकी दूरदर्शिता को सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। वे राजनीतिक परिवर्तन को व्यापक सामाजिक पुनर्निर्माण से जोड़ते थे। उनकी संपूर्ण क्रांति के सात आयाम थे- राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,बौद्धिक,शैक्षणिक और आध्यात्मिक। इनका उद्देश्य केवल शासन की संरचना बदलना नहीं, बल्कि मनुष्य की सोच,व्यवहार और जीवन मूल्यों में परिवर्तन लाना था। वे जानते थे कि भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों में नहीं घुसता,उसकी जड़ें व्यक्ति की लालचपूर्ण मानसिकता में भी होती हैं। सामाजिक असमानता केवल कानून भूमिका रही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि समाज की चेतना में समानता और संवेदनशीलता का विकास भी जरूरी है। इसी तरह शिक्षा का उद्देश्य केवल

रोजगार प्राप्त करना नहीं,बल्कि विवेकशील,जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना भी है। इस दृष्टि से संपूर्ण क्रांति आज भी एक प्रासंगिक विचार है। इसका पहला संदेश है कि व्यक्तिगत परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति के आत्मपरिवर्तन से होनी चाहिए। जब तक राजनीतिक नेतृत्व अपने आचरण में ईमानदारी,पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं अपनाएगा, तब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता। दूसरा संदेश है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए। सत्ता का दायित्व विकास,सुशासन और जन कल्याण सुनिश्चित करना है,जबकि विपक्ष का कर्तव्य सरकार की गलतियों को उजागर करने के साथ-साथ बेहतर नीतियों और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी है। केवल विरोध करना विपक्ष की सक्रियता का प्रमाण नहीं हो सकता। उसे यह बताना होगा कि वह देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक समरसता के लिए कौन-सी वैकल्पिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी भूमिका को केवल सत्ता प्राप्त करने की आकांक्षा तक सीमित न रखे। यदि विपक्ष का समूचा विमर्श आरोपों, व्यक्तिगत आक्षेपों और राजनीतिक विरोध तक सिमट जाता है, तो वह जनता के विश्वास को मजबूत करने के

बजाय कमजोर करता है। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन की संभावना जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है कि जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प भी मौजूद हो। जयप्रकाश नारायण ने तत्कालीन सत्ता को चुनौती इसलिए दी थी कि उन्हें व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता महसूस हुई थी। उनके आंदोलन के केंद्र में भ्रष्टाचार,नागरिक अधिकार,लोकतांत्रिक मर्यादा और जनहित के प्रश्न थे। आज उनके नाम और नारों का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों को भी अपने आचरण की कसौटी इन्हीं मूल्यों को बनाना चाहिए। यह अपेक्षा केवल विपक्ष से नहीं,सत्तारूढ़ दलों और समूचे राजनीतिक वर्ग से है। लोकनायक का एक और महत्वपूर्ण संदेश सत्ता के विकेंद्रीकरण और जनभागीदारी से संबंधित है। वे चाहते थे कि लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित न रहे,बल्कि ग्रामसभाओं, स्थानीय संस्थाओं और सामान्य नागरिकों के जीवन में भी उसकी सक्रिय उपस्थिति हो। आज जब तकनीक, संचार और प्रशासनिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, तब जनता की भागीदारी बढ़ाने की संभावनाएं पहले से अधिक हैं। युवाओं को केवल चुनावी भौड़ या राजनीतिक नारों का हिस्सा बनाने के बजाय नीति निर्माण,सामाजिक सुधार और राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रियाओं से जोड़ना चाहिए। यही संपूर्ण क्रांति की

भावना को व्यवहार में उतारना होगा। जयप्रकाश नारायण के आदर्शों से मेरा पारिवारिक संबंध भी रहा है। मैंने उन्हें प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा,लेकिन मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूपजी गंग उनके अनन्य भक्त थे और राजस्थान में जेपी आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ताओं में अग्रणी स्थान रखते थे। माताजी सत्यभामाजी गंग राजस्थान की यात्रा के दौरान उनकी खाने-पीने आदि की व्यवस्थाओं को देखती थीं। उनके जीवन और विचारों में जयप्रकाश नारायण के प्रति समर्पण तथा उनके आदर्शों की गहरी छाप थी। इस पारिवारिक परिवेश ने मुझे यह समझने की प्रेरणा दी कि किसी महान व्यक्तित्व के प्रति सच्ची श्रद्धा उसके विचारों को जीवन में अपनाने से ही प्रकट होती है। मेरे आध्यात्मिक गुरु आचार्य श्री तुलसी की चर्चित पुस्तक 'अग्निपरीक्षा' को लेकर जब देश में विरोध का वातावरण बना,तब जयप्रकाश नारायण ने संवाद और संवाद की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके हस्तक्षेप और आह्वान से तनाव कम करने तथा शांति स्थापित करने में सहायता मिली।

सूचना

समाचार पत्र में छपी समाचार एवं लेखों पर सम्पादकीय की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय व्यक्ती के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक



देश से सात समंदर पार तक मां महामाया के भक्त,विदेशों से भी पहुंचे ज्योति कलश के लिए अंशदान अंबिकापुर में नवरात्र की तैयारी पूरी,महामाया मंदिर में 4800 से अधिक ज्योति कलश होंगे प्रज्वलित,गांधी चौक दुर्गा मंदिर में भी चार हजार से ज्यादा कलशों की तैयारी



—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

मां महामाया के प्रति आस्था ऐसी कि हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद भक्तों का नाता मंदिर से नहीं टूटा है। अंबिकापुर के ऐसे कई मूल निवासी, जो आज अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों में रह रहे हैं, वे भी शारदीय और चैत्र नवरात्र में मां महामाया मंदिर में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करते हैं। इस बार भी विदेशों में रह रहे श्रद्धालुओं ने रसीद कटवाकर मां के दरबार में अपनी आस्था जताई है। रविवार से शुरू हो रही शारदीय नवरात्र को लेकर शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मां महामाया मंदिर में इस वर्ष घी के 1600 और तेल के 3200 से अधिक ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे। अमेरिका में रहने वाली

दीया पटेल और मलेशिया के निक्कु तिवारी के परिवार की ओर से भी मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कराया जाएगा। विदेश में बसने के बाद भी इन परिवारों ने मां महामाया मंदिर से अपनी आस्था और पारिवारिक परंपरा का जुड़ाव बनाए रखा है।

नौ दिनों तक मंदिरों में उमड़ेगी श्रद्धा
 : शारदीय नवरात्र के पहले दिन से ही मां महामाया मंदिर सहित शहर के अन्य देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटने की उम्मीद है। मंदिरों में साफ-सफाई, सजावट और पूजा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मां महामाया मंदिर में श्रृंगार के बाद श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। सुबह छह बजे से पूजा-अर्चना का शुभ मुहूर्त बताया गया है। राजपुरोहित द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। मंदिर के पुजारी के अनुसार, इस वर्ष पूरे नौ दिनों तक नवरात्र मनाई जाएगी।



गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी चार हजार से अधिक ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाने की तैयारी है। इसके अलावा गायत्री मंदिर, कुदरगढ़ मंदिर, लुचकी घाट स्थित

काली मंदिर, केनापारा मंदिर, पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर और संत हरकेवाल दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में भी ज्योति कलश जलाए जाएंगे।

शहर में दुर्गा पूजा की धूम : नवरात्रि के साथ शहर में दुर्गा पूजा की रौनक भी बढ़ गई है। विभिन्न पूजा समितियों ने जगह-जगह आकर्षक पंडाल तैयार किए हैं। मां दुर्गा की

प्रतिमाओं को पंडालों में स्थापित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। समितियों के सदस्य रैली की शक्ल में प्रतिमाएं लेकर पहुंचे और स्थापना की तैयारियों में जुटे रहे। नवरात्रि के पहले दिन से पंडालों में पूजा-अर्चना शुरू हो जाएगी।

पितृपक्ष के बाद शुरू होंगे शुभ कार्य
 पितृपक्ष के कारण पिछले पखवाड़े से शुभ और मांगलिक कार्यों पर विराम लगा हुआ था। शारदीय नवरात्रि के आरंभ के साथ ही धार्मिक गतिविधियों के अलावा शुभ कार्यों की शुरुआत भी होगी। देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना, ज्योति कलश और दुर्गा पूजा के आयोजनों से शहर में नौ दिनों तक भक्तिमय माहौल रहने की उम्मीद है।

बांकी बांध की मुख्य नहर की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत कलेक्टर से

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

बांकी बांध की मुख्य नहर की जमीन पर अतिक्रमण और कथित अवैध क्रय-विक्रय का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता परवेज आलम गांधी ने कलेक्टर से शिकायत की है। उन्होंने नहर की जमीन का सीमांकन कराकर अतिक्रमण हटाने और शासकीय भूमि के अवैध क्रय-विक्रय पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, श्रीगढ़ लुचकी ग्राम पंचायत के कांतीप्रकाशपुर क्षेत्र में दरिमा मोड़ से भाथुपारा तालाब तक करीब तीन किलोमीटर क्षेत्र में नहर की जमीन पर कथित रूप से कब्जा किया गया है। आरोप है कि जमीन पर डामर सड़क बनाकर लोहे का बड़ा गेट लगा दिया गया है। आवेदक का कहना है कि संबंधित भूमि जल संसाधन विभाग की शासकीय जमीन है। इस संबंध में पहले भी जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मामले की स्थल जांच और राजस्व अभिलेखों के आधार पर सीमांकन कराने की मांग की है। साथ ही, अतिक्रमण की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई करने और शासकीय भूमि के कथित अवैध क्रय-विक्रय पर रोक लगाने की मांग की है।



फर्निशिंग दुकान के बाहर सुतली बम से धमाका, सीसीटीवी में कैद हुए बाइक सवार

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

खरसिया चौक और महामाया मंदिर द्वार के बीच रिंग रोड पर स्थित ड्रीम फर्निशिंग दुकान के बाहर शुक्रवार रात अज्ञात बाइक सवारों ने सुतली बम फेंक दिया। तेज धमाके से आसपास के लोग सहम गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दुकान संचालक की सूचना पर शनिवार सुबह कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, आरजू होटल के समीप स्थित ड्रीम फर्निशिंग के संचालक अयाज आलम शुक्रवार रात दुकान बंद कर गौसिया नगर स्थित अपने घर चले गए थे। रात करीब 10.20 बजे बाइक से पहुंचे दो अज्ञात लोगों ने बंद दुकान के बाहर सुतली बम फेंका और फरार हो गए। कुछ ही देर में तेज धमाका हुआ। इससे दुकान के बाहर नुकसान हुआ और आसपास के लोग चौंक गए। देर रात सोने से पहले अयाज आलम ने मोबाइल पर दुकान के सीसीटीवी कैमरे की गतिविधियां देखीं। फुटेज में धमाके की जानकारी मिलने पर वे तत्काल दुकान पहुंचे। वहां उन्हें बम के अवशेष और धमाके से हुआ नुकसान दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने शनिवार सुबह कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। बाइक सवार दोनों व्यक्ति कौन थे और उन्होंने दुकान के बाहर बम क्यों फेंका, इसका पता नहीं चल सका है।

लखनपुर में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन, विजेता खिलाड़ी हुए सम्मानित

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल एवं विधायक प्रबोध मिंज ने विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह



खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं : कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल
सरगुजा ओलंपिक में 15 हजार 567 खिलाड़ियों ने कतार पंजीयन, 2 हजार 270 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दिखाई प्रतिभा

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेमा श्रीवास्तव के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में आयोजित तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिताओं का शनिवार को पीएमस्वामी आत्मानंद उक्तृष्ट विद्यालय, लखनपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने विभिन्न खेल विधाओं में उक्तृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। विकासखंड स्तरीय सरगुजा

ओलंपिक का आयोजन 8 से 10 अक्टूबर 2026 तक किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 हजार 567 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 2 हजार 270 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा, खेल कौशल एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्रों के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के साथ जूनियर एवं सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य एवं संघर्ष करने की क्षमता भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा खिलाड़ी कभी हार नहीं मानता, बल्कि असफलताओं से सीख लेकर नए उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करता है। मंत्री अग्रवाल ने लखनपुर विकासखंड के खिलाड़ियों द्वारा किए गए उक्तृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर एवं प्रोत्साहन प्रदान करने की। सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजन ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने

सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। **सरगुजा के खिलाड़ियों में प्रतिभा की अपार संभावनाएं** : विशिष्ट अतिथि लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों में भागीदारी से युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने दौड़, लंबी कूद सहित विभिन्न खेल विधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों में प्रतिभा एवं क्षमता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक सहभागिता करने तथा निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। विधायक मिंज ने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का विकास होता है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। **विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने किया उक्तृष्ट प्रदर्शन** : तीन दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में हितेश कुमार ने प्रथम, सचिन कुमार ने द्वितीय एवं कुष्णकांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 200 मीटर दौड़ में अंकुश कुशावाहा प्रथम, अमन

राजवाड़े द्वितीय एवं मनीष कुमार तृतीय स्थान पर रहे। बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में सतीश सिंह ने प्रथम, साहिल राजवाड़े ने द्वितीय तथा दिव्यांश सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की 400 मीटर दौड़ में बिंदु सिंह प्रथम, अंजली राजवाड़े द्वितीय एवं साधना तृतीय स्थान पर रही। महिला सीनियर वर्ग की रस्साकशी प्रतियोगिता में पांडी की टीम ने प्रथम तथा शिरकोनगा की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त रिले दौड़ सहित अन्य खेल स्पर्धाओं में उक्तृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को भी अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 8 अक्टूबर को जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती खुशबू शास्त्री के नेतृत्व में किया गया था। शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत सदस्य एवं मंत्री प्रतिनिधि विजय अग्रवाल तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शशिकला सिंह ने खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं की शुरुआत की थी। प्रतियोगिता के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, 4x100 मीटर रिले दौड़ एवं बॉलीबॉल सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इनमें महिला एवं पुरुष तथा जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित, 48 मरीज उपचार एवं सर्जरी के लिए चिन्हांकित रायपुर के कालड़ा हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की मरीजों की स्वास्थ्य जांच, जरूरतमंदों को मिलेगा विशेषज्ञ उपचार का लाभ

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
 (घटती-घटना)।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना को साकार करते हुए स्वास्थ्य विभाग सरगुजा द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके/चिरायु) के तहत शनिवार को जिला मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित 100 बिस्तरिय मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं सर्जरी हेतु चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. सरता के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में रायपुर के कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच



कर आवश्यक उपचार एवं सर्जरी के लिए कुल 48 मरीजों को चिन्हांकित किया। शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग जिला सरगुजा एवं कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से किया गया। इसमें जिले के

विभिन्न विकासखंडों से चिरायु दलों द्वारा पूर्व में चिन्हांकित बच्चों एवं अन्य जरूरतमंद मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य जन्मजात विकारों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से

प्रभावित बच्चों और मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं से जोड़ना है। **चार श्रृंखलों में 48 मरीजों का चिन्हांकन** : शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जलने से संबंधित समस्याओं (बर्न) के 08, जन्मजात कटे-फटे होंठ (क्लेफ्ट लिप) के 18, कटे-फटे तालू (क्लेफ्ट पैलेट) के 12 तथा क्लब फुट के 10 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया। इस प्रकार कुल 48 मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से जोड़ने की पहल की गई। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरान्त मरीजों की आवश्यक सर्जरी रायपुर स्थित कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल में कराए जाने के संबंध में सहमति प्राप्त की गई।

समय पर पहचान एवं उपचार से बच्चों को मिलेगा बेहतर स्वास्थ्य का लाभ : इस अवसर पर मैडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अविनाश मेथ्राम ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निवासित जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान एवं उचित उपचार के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में जन्मजात विकारों का समय पर उपचार उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। संयुक्त संचालक सह-उपस्थल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या ने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में जन्मजात विकारों,

बीमारियों एवं विकास संबंधी समस्याओं की शीघ्र पहचान कर उपचार उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। विकासखंड स्तर पर कार्यरत चिरायु दलों द्वारा बच्चों को चिन्हांकित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद बच्चों को समय पर उपचार का लाभ मिल सके। सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद बच्चों एवं मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस शिविर में चिन्हांकित मरीजों को आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ उपचार एवं सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक पहल की गई है। कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक

एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ. दीपक ठाकुर ने बताया कि जन्मजात कटे-फटे होंठ, कटे-फटे तालू, क्लब फुट तथा जलने से संबंधित समस्याओं का समय पर उपचार मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकासखंड स्तर से शिविर स्थल तक मरीजों एवं उनके परिजनों को लाने-ले जाने के लिए परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही शिविर स्थल पर मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था भी की गई।



सूरजपुर में जमीन में दफन मिला अज्ञात युवक का शव,हत्या की आशंका से सनसनी

मिट्टी से बाहर निकले पैर देखकर ग्रामीणों को हुआ शक,सिर पर चोट के निशान...घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाॅड ने संभाला मोर्चा

मिट्टी से बाहर दिखे पैर,खुला जमीन में दफन शव का राज,महवीरपुर में सनसनी

कालीघाट के पास जमीन में दफन मिला युवक,हत्या कर शव छिपाने की आशंका

सड़क से 100 मीटर अंदर दफन था युवक का शव,सिर पर चोट के निशान से गहरी शक...

कितना है जमीन में दफन युवक का शव? हत्या की आशंका पर पुलिस की जांच तेज

जमीन में शव दफन कर छिपाया राज? महवीरपुर में फॉरेंसिक टीम जुटा रही साक्ष्य

कालीघाट के अंगल किनारे मिला दफन शव, पहचान और मौत की गूथनी सुलझाने में जुटी पुलिस

—संवाददाता—
सूरजपुर, 10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महवीरपुर के कालीघाट के पास जमीन में दफन एक

मिट्टी से बाहर निकले पैर देखकर ग्रामीणों को हुआ शक

जानकारी के अनुसार, महवीरपुर स्थित कालीघाट के पास मुख्य सड़क से हटकर एक कच्चा रास्ता जाता है,इसी रास्ते से लगभग 100 मीटर अंदर जमीन में युवक का शव दफन था,शव के पैर मिट्टी से बाहर दिखाई दे रहे थे। ग्रामीणों की नजर जब इन पैरों पर पड़ी,तो उन्हें किसी गंभीर घटना की आशंका हुई,इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जयनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की,घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए मामले को संदिग्ध मानकर जांच आगे बढ़ाई गई,जमीन में शव दफन होने और शरीर पर चोट के निशान मिलने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं,हालांकि,शव किस समय और किन परिस्थितियों में यहां दफन किया गया,इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई, सड़क किनारे कच्चे रास्ते से करीब 100 मीटर अंदर मिट्टी में दबे शव के पैर बाहर दिखाई देने पर ग्रामीणों को संदेह हुआ, अनहोनी की आशंका के बीच पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच में युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने की जानकारी सामने आई है,शरीर में फ्रैक्चर होने की आशंका भी जताई गई है,शव को जिस परिस्थिति में जमीन में दफन पाया गया,उसे देखते हुए पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका से जांच कर रही है, घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाॅड की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं,

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और उसकी मौत के वास्तविक कारणों का भी खुलासा नहीं हुआ है।

सिर पर चोट के निशान,हत्या की आशंका से जांच तेज-पुलिस की प्रारंभिक जांच में युवक के सिर पर चोट के निशान मिलने की बात सामने आई है,साथ ही फ्रैक्चर होने की आशंका भी जताई गई है,इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस इस संभावना की जांच कर रही है कि युवक की मौत किसी हिंसक घटना में हुई हो सकती है, हालांकि चोट करते,मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा,पुलिस मृतक की पहचान करने के साथ

यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसकी मौत कब हुई और घटना के पीछे क्या परिस्थितियां रहीं।

फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाॅड जुटे साक्ष्य जुटाने में-मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाॅड को बुलाया गया,टीम घटनास्थल से उपलब्ध साक्ष्य जुटाने और घटना से जुड़े संभावित सुराग तलाशने में लगी है,पुलिस जांच के प्रमुख बिंदुओं में शव को जमीन में दफन करने की परिस्थितियां,घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता और मृतक की पहचान शामिल हैं,जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि युवक की मौत कहां और कैसे हुई, प्रारंभिक स्तर पर यह आशंका भी जताई गई है कि शव को किसी दूसरी जगह से लाकर यहां दफन किया गया हो सकता है,हालांकि,पुलिस की जांच में अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है,इस संभावना को भी अन्य तथ्यों और साक्ष्यों के साथ परखा जा रहा है।

एसपी योगेश देवांगन ने क्या बताया?-अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन के अनुसार,पुलिस को सूचना मिली थी कि महवीरपुर के कालीघाट के पास सड़क किनारे कच्चे रास्ते से लगभग 100 मीटर अंदर एक शव जमीन में दफन मिला है, सूचना

मृतक कौन,मौत कब और कैसे हुई...जवाब तलाश रही पुलिस

महवीरपुर के कालीघाट के पास जमीन में दफन शव मिलने के बाद पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मृतक की पहचान करना है,इसके बाद उसकी मौत की परिस्थितियों और घटना से जुड़े संभावित लोगों या सुरागों का पता लगाना जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा,पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि युवक कौन था,वह कहाँ का रहने वाला था और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई,साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि शव घटनास्थल पर ही दफन किया गया या उसे किसी दूसरी जगह से लाया गया था,फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं,मृतक की पहचान,पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य आगे की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी घटना की वास्तविकता

एक सुनसान स्थान पर जमीन में दफन युवक का शव मिलने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है,पुलिस के सामने अब मृतक की पहचान करने,मौत के कारणों का पता लगाने और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करने की चुनौती है,फिलहाल हत्या की आशंका के आधार पर जांच की जा रही है,लेकिन किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करेगी, जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत कैसे हुई और शव को जमीन में दफन करने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं।

पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की,उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है,शव के सिर पर चोट के निशान हैं और फ्रैक्चर होने की आशंका है, घटनास्थल की प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि

शुरुआती जांच में शव को किसी दूसरी जगह से लाकर यहां दफन किए जाने की आशंका नजर आ रही है,एसपी के मुताबिक, घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम पहुंच चुकी है और मामले की जांच जारी है,जांच पूरी होने तथा साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही घटना से संबंधित स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



अम्बिकापुर-दरिमा-मैनपाट मार्ग से मानिक प्रकाशपुर तक 3.85 किलोमीटर सड़क का नवीनीकरण पूर्ण

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के अंतर्गत जिले में सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर-दरिमा-मैनपाट रोड से मानिक प्रकाशपुर तक 3.85 किलोमीटर लंबी सड़क का नवीनीकरण कार्य पूर्ण किया गया है। इससे संबंधित क्षेत्र में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिली है।

57.83 लाख रुपये की लागत से सड़क का नवीनीकरण पूर्ण : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्रमांक-01 अम्बिकापुर के अंतर्गत समूह क्रमांक सीजी-16-एम-13 में शामिल अम्बिकापुर-दरिमा-मैनपाट रोड से मानिक प्रकाशपुर तक सड़क का नवीनीकरण कराया गया है। इस कार्य की अनुमानित लागत 57.83 लाख रुपये है। सड़क

नवीनीकरण कार्य 01 नवंबर 2022 को प्रारंभ हुआ था, जिसे 09 मई 2023 को पूर्ण किया गया। सड़क का नवीनीकरण होने से ग्रामीणों को आवागमन के लिए बेहतर मार्ग उपलब्ध हुआ है। इससे दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही के साथ शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलने की अपेक्षा है।

ग्रामीण क्षेत्र में सड़क संपर्क को मिली मजबूती : अम्बिकापुर-दरिमा-मैनपाट मार्ग से मानिक प्रकाशपुर को जोड़ने वाली यह सड़क ग्रामीण संपर्क व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सड़क के नवीनीकरण से मार्ग की स्थिति बेहतर हुई है। इससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों और अन्य राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिल सकती है। सड़क संपर्क बेहतर होने से ग्रामीण क्षेत्रों से आसपास के बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान बनाने में मदद मिलती है। साथ ही कृषि उपज के परिवहन एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी बेहतर सड़कें उपयोगी साबित होती हैं।

शोध और नवाचार को सुरक्षित रखने का माध्यम है बौद्धिक संपदा अधिकार होली क्रॉस वुमेन्स कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सुशील कुमार शाही ने विद्यार्थियों को बताए आईपीआर के महत्व



—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

वैज्ञानिक खोज, शोध और नए विचार तभी व्यापक उपयोग में आ सकते हैं, जब उनके अधिकारों और मौलिकता की सुरक्षा हो। इसी उद्देश्य को लेकर होली क्रॉस वुमेन्स कॉलेज, अम्बिकापुर में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बताया गया कि अपने वैज्ञानिक शोध, रचनात्मक कार्यों और नवाचारों को कानूनी संरक्षण देने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी क्यों जरूरी है। महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला 'Frontiers of Life: Biology, Bio technology, Environmental Sciences & Climate Change' के तहत शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के

प्रोफेसर डॉ. सुशील कुमार शाही ने 'Empowering Innovators: Intellectual Property Rights as Tools for Protecting Knowledge and Creativity' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. शाही ने बौद्धिक संपदा अधिकारों की उपयोगिता समझाते हुए बताया कि किसी व्यक्ति के मौलिक विचार,वैज्ञानिक अनुसंधान,रचनात्मक कार्य और नवाचार ज्ञान की महत्वपूर्ण पूंजी हैं। इनका उचित संरक्षण न केवल रचनाकार और शोधकर्ता के अधिकारों को सुरक्षित रखने में मदद करता है,बल्कि नवाचार को प्रोत्साहित करने और उसके जिम्मेदार उपयोग का रास्ता भी खोलता है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं युवा नवाचारकर्ताओं के लिए आईपीआर के प्रति जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया।

शोध के साथ अधिकारों की जानकारी भी जरूरी : व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अकादमिक एवं वैज्ञानिक कार्यों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में



आईपीआर को केवल कानूनी विषय के रूप में नहीं,बल्कि शोध,रचनात्मकता और नवाचार से जुड़े व्यावहारिक पहलु के रूप में समझने पर जोर दिया गया। इससे विद्यार्थियों को अपने मौलिक कार्यों के महत्व और उनके उचित संरक्षण के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला। कार्यक्रम 9 अक्टूबर को दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक हाइब्रिड माध्यम से आयोजित हुआ। इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने भाग लिया। डॉ. अंशु दीप खलखो ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया और आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की संरक्षक डॉ. (सिस्टर) शांता जोसेफ के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. साकेत झा संयोजक एवं आयोजन सचिव रहे, जबकि सह-आयोजन सचिव शिखर सिन्हा ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष सुश्री प्रीति सिंह और श्रीमती एकता गुप्ता सहित सलाहकार समिति का भी सहयोग रहा।

जलवायु परिवर्तन पर व्याख्यान से हुई थी श्रृंखला की शुरुआत : वनस्पति विज्ञान विभाग की इस अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत 3 अक्टूबर को 'Aspects of Climate Change and Sustainable Futures' विषय पर आयोजित पहले व्याख्यान से हुई थी। इसमें Auriga Innovation Lab Pvt. Ltd. के सह-संस्थापक शुभम ए. अग्रवाल वक्ता के रूप में शामिल हुए थे। श्रृंखला के माध्यम से महाविद्यालय विद्यार्थियों को जीव विज्ञान,जैव प्रौद्योगिकी,पर्यावरण विज्ञान, जलवायु परिवर्तन और बौद्धिक संपदा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद का अवसर उपलब्ध करा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण,शोध के प्रति रुचि, नवाचार और अंतर्विषयी अध्ययन को बढ़ावा देना है,ताकि वे अकादमिक ज्ञान के साथ उसके व्यावहारिक उपयोग को भी समझ सकें।

वन विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आमाखेरवा छठ घाट पर चला स्वच्छता अभियान,जवानों ने किया श्रमदान

सेवा संकल्प अभियान के तहत नदी-घाट स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्ति का दिया संदेश,जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की सहभागिता

—संवाददाता—
एमसीबी,10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

जनसेवा से राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ के आमाखेरवा छठ घाट पर वन विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नदी-घाट स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। वन विभाग के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस जवानों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का

संदेश दिया। अभियान के माध्यम से नदी-घाटों को स्वच्छ रखने,प्लास्टिक प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह,नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिभा यादव,डीएफओ दुलेश्वर साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर लिंगराज सिद्धा,एसडीएम शशि शेखर मिश्रा,पापंद खन्निन सिन्हा,अंकित शर्मा एवं जलील शाह सहित वन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से रंजर विश्वनाथ सहित अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई।



पुलिस की विभिन्न इकाइयों के लगभग 60 अधिकारी-कर्मचारियों ने

किया श्रमदान : स्वच्छता अभियान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन मनेन्द्रगढ़,

थाना मनेन्द्रगढ़,थाना झगराखंड, चौकी खोंगापानी,साइबर सेल और कंट्रोल रूम के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। इसके साथ ही 18वीं वाल्मिनी चैनपुर के सशस्त्र बल के जवानों ने भी श्रमदान किया।

लगभग 60 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं जवानों की सहभागिता से अभियान को व्यापक स्वरूप मिला। थाना प्रभारी झगराखंड राकेश कुमार साहू, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक यशवंत सिंह श्याम,जिला विशेष शाखा प्रभारी राम सिंह टेकाम और सूबेदार कामेश कुमार सहित अन्य जवानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

स्वच्छ घाट, सुरक्षित पर्यावरण का दिया संदेश : अभियान के माध्यम से संदेश दिया गया कि नदी-घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का उचित निपटान और नियमित साफ-सफाई जैसे छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त पहल ने प्रशासनिक समन्वय और सामूहिक श्रमदान के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।



अनारक्षित सीट से अनारक्षित वर्ग को ही दिया जाए मौका, कांग्रेस से एक नेता की शिवपुर-चरचा में टिकट की अनोखी मांग

अनारक्षित सीट पर किस वर्ग को मौका? पटना के बाद बैकुंठपुर-शिवपुर-चरचा में टिकट का पेच, कांग्रेस नेता की मांग से सियासी मंथन तेज

पटना में भाजपा आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार को उतारकर जीत चुकी है चुनाव, अब बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में ओबीसी-अनारक्षित दावेदारों के प्रतिनिधित्व पर मंथन

अनारक्षित सीट, दावेदारी पर वर्ग की बहस! कोरिया में भाजपा-कांग्रेस के सामने टिकट का पेच

पटना में भाजपा का प्रयोग सफल, अब बाकी दो निकायों में किस वर्ग पर दांव लगाएंगे दल?

शिवपुर-चरचा में कांग्रेस नेता की अनोखी मांग... अनारक्षित सीट पर अनारक्षित वर्ग को ही मिले मौका

तीन निकाय, तीनों अध्यक्ष पद अनारक्षित, अब टिकट में सामाजिक समीकरण साधने की चुनौती

ओबीसी बनाम अनारक्षित की बहस तेज, बैकुंठपुर-शिवपुर-चरचा में टिकट पर सबकी नजर

पटना के बाद बाकी दो निकायों में किसे मौका? भाजपा में अंदरूनी मंथन, कांग्रेस में सार्वजनिक मांग...

अनारक्षित सीट पर टिकट का सवाल, सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर दोनों दलों में हलचल

-रवि सिंह-

कोरिया, 10 अक्टूबर 2026

(घटती-घटना)

जिले की नगरीय राजनीति में अध्यक्ष पद के आरक्षण को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। जिले की तीनों नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद अनारक्षित श्रेणी के लिए आरक्षित होने के बावजूद अब यह सवाल उठने लगा है कि राजनीतिक दल इस अवसर का उपयोग किस

तीन निकाय, अध्यक्ष पद अनारक्षित—लेकिन टिकट का गणित अलग

कोरिया जिले में कुल तीन नगरीय निकाय हैं, इनमें नगर पंचायत पटना में अध्यक्ष पद का चुनाव पहले ही संपन्न हो चुका है, जबकि बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं, अध्यक्ष पद के आरक्षण की स्थिति के अनुसार तीनों निकायों में अनारक्षित श्रेणी निर्धारित हुई है, इनमें दो निकायों में अनारक्षित महिला और एक में अनारक्षित मुक्त श्रेणी का प्रावधान रहा है, आरक्षण की इस स्थिति ने राजनीतिक दलों के सामने उम्मीदवार चयन के कई विकल्प खोल दिए हैं, अनारक्षित सीट पर संबंधित नियमों के अनुसार पात्र उम्मीदवार चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन पार्टी किस सामाजिक वर्ग से उम्मीदवार चुनती है, यह उसका राजनीतिक निर्णय होता है, यही कारण है कि आरक्षण घोषित होने के बाद अब चर्चा केवल सीट की श्रेणी तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात पर भी है कि पार्टी अपने उम्मीदवार के चयन में सामाजिक प्रतिनिधित्व और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को कितना महत्व देती है, बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में अध्यक्ष पद के लिए अलग-अलग दावेदार अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं, कई नेता लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं, जबकि कुछ नए चेहरे भी चुनावी संभावनाएं तलाश रहे हैं, ऐसे में टिकट वितरण के समय पार्टी नेतृत्व को दावेदारों की सक्रियता, स्थानीय संपर्क, संगठनात्मक समीकरण और चुनावी संभावनाओं पर विचार करना होगा।

वर्ग के उम्मीदवार को मौका देने के लिए करेंगे। नगर पंचायत पटना में दो वर्ष पहले हुए चुनाव में भाजपा अनारक्षित महिला सीट पर आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार को मैदान में उतारकर जीत दर्ज कर चुकी है, अब बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा नगर पालिका के आगामी चुनावों से पहले कांग्रेस और भाजपा के भीतर अनारक्षित तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के दावेदारों को मौका देने की मांग चर्चा में है।

इस बहस को शिवपुर-चरचा के एक कांग्रेस नेता द्वारा सार्वजनिक रूप से उठाई जा रही मांग ने और दिलचस्प बना दिया है, उनकी मांग है कि जब सीट अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित है, तो अनारक्षित वर्ग के दावेदारों को भी अवसर मिलना चाहिए, उनका तर्क है कि स्थानीय निकायों में चुनाव लड़ने का अवसर अनारक्षित वर्ग के नेताओं के लिए महत्वपूर्ण है और यदि यहां भी उन्हें मौका नहीं मिला, तो राजनीतिक प्रतिनिधित्व की उनकी संभावनाएं सीमित हो सकती हैं, दूसरी ओर, भाजपा के भीतर भी ऐसी मांग उठने की चर्चा है कि जिले की शेष दो नगरीय निकायों में से एक में अन्य

पिछड़ा वर्ग और दूसरी में अनारक्षित वर्ग के दावेदार को अवसर दिया जाए। हालांकि इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है, ऐसे में आरक्षण के आधार पर उपलब्ध अवसर और राजनीतिक दलों की टिकट रणनीति के बीच संतुलन का सवाल महत्वपूर्ण हो गया है।

पटना में भाजपा का प्रयोग, अब बाकी दो निकायों पर निगाह—नगर पंचायत पटना का पिछला चुनाव इस बहस का प्रमुख संदर्भ बन गया है, वहां अध्यक्ष पद अनारक्षित महिला श्रेणी के लिए निर्धारित था, भाजपा ने आरक्षित वर्ग की महिला उम्मीदवार को अवसर दिया और जीत दर्ज की, दूसरी ओर कांग्रेस ने अनारक्षित वर्ग की महिला उम्मीदवार के भरोसे चुनाव लड़ा था, स्थानीय राजनीतिक समीकरणों, पार्टी के भीतर बगавत और एक बागी उम्मीदवार के निर्दलीय चुनाव लड़ने को कांग्रेस की हार से जोड़कर देखा गया, पटना का चुनाव अब बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा की टिकट रणनीति पर होने वाली चर्चाओं में उदाहरण के तौर पर सामने आ रहा है, भाजपा के भीतर कुछ

दावेदारों और नेताओं की ओर से यह तर्क दिए जाने की चर्चा है कि जब पार्टी पटना में आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार को अवसर दे चुकी है, तो अब बाकी दो निकायों में सामाजिक संतुलन का ध्यान रखा जाना चाहिए, इस तर्क के अनुसार, शेष दो निकायों में से एक में अन्य पिछड़ा वर्ग और दूसरे में अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवार को अवसर देने से अलग-अलग सामाजिक समूहों को प्रतिनिधित्व मिल सकता है, हालांकि यह मांग पार्टी की आधिकारिक नीति नहीं है और न ही टिकट वितरण का कोई अंतिम फार्मूला घोषित हुआ है, फिलहाल इसे भाजपा के भीतर चल रही राजनीतिक चर्चा के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता की सार्वजनिक मांग से बड़ी चर्चा—शिवपुर-चरचा में कांग्रेस के एक नेता द्वारा अनारक्षित सीट पर अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवार को मौका देने की मांग सार्वजनिक रूप से उठाई जा रही है, यह मांग पार्टी के भीतर टिकट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सामने आई है, उनका कहना है कि स्थानीय निकायों में अनारक्षित वर्ग के राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए अध्यक्ष पद का चुनाव एक महत्वपूर्ण अवसर है और इस अवसर पर उन्हें भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए, इस मांग के सामने आने के बाद सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस शिवपुर-चरचा में अध्यक्ष पद के लिए किस सामाजिक वर्ग से उम्मीदवार चुनती है, क्या पार्टी अनारक्षित वर्ग की किसी महिला दावेदार पर भरोसा जताएगी, या स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए किसी अन्य पात्र दावेदार को मौका देगी? फिलहाल इसका जवाब पार्टी की आधिकारिक घोषणा के बाद ही मिलेगा, कांग्रेस के लिए चुनौती यह भी है कि टिकट चयन के दौरान दावेदारों के बीच सहमति कैसे बनाई जाए, यदि कई नेता एक ही पद के लिए दावेदारी करते हैं, तो पार्टी को ऐसे उम्मीदवार का चयन करना होगा जिसके पक्ष में संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जा सके।

भाजपा के सामने भी कम नहीं हैं सवाल—सत्तारूढ़ भाजपा के सामने भी बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में उम्मीदवार चयन को लेकर कई समीकरण हैं, पटना में आरक्षित वर्ग की महिला उम्मीदवार को अवसर देने और जीत मिलने का उदाहरण पार्टी के भीतर सामाजिक प्रतिनिधित्व के पक्ष में दिए जा रहे तर्कों का आधार बन रहा है, भाजपा के कुछ संभावित दावेदारों के बीच यह चर्चा है कि शेष दो निकायों में एक में ओबीसी और दूसरे में अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवार को अवसर देने पर विचार होना चाहिए, इस मांग के पीछे तर्क यह है कि इससे पार्टी अलग-अलग सामाजिक वर्गों के दावेदारों को प्रतिनिधित्व दे सकेगी, हालांकि भाजपा की टिकट रणनीति केवल इसी मांग के आधार पर तय होगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी, पार्टी नेतृत्व स्थानीय जनाधार, संगठनात्मक भूमिका, चुनावी स्थिति और उम्मीदवार की स्वीकार्यता सहित कई पहलुओं पर विचार कर सकता है, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भाजपा दोनों निकायों में किस सामाजिक वर्ग से उम्मीदवार उतारने का निर्णय लेगी।

अनारक्षित सीट का अर्थ और राजनीतिक दलों का निर्णय—इस पूरे विवाद में एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना जरूरी है कि अनारक्षित सीट किसी एक सामाजिक वर्ग के लिए आरक्षित सीट नहीं होती, निर्धारित नियमों के अनुसार पात्र उम्मीदवार इसमें चुनाव लड़ सकते हैं, इसलिए अनारक्षित सीट से अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा किसी अन्य वर्ग के उम्मीदवार को टिकट देना अपने आप में आरक्षण नियमों का उल्लंघन नहीं है, लेकिन राजनीतिक स्तर पर यह बहस अलग है कि किसी पार्टी को सामाजिक प्रतिनिधित्व और अपने कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं के बीच किस तरह संतुलन बनाना चाहिए, एक पक्ष का तर्क है कि अनारक्षित वर्ग के दावेदारों को भी अवसर मिलना चाहिए, जबकि दूसरा पक्ष व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व और चुनावी संभावनाओं को महत्व देने की बात कर सकता

है, इसी वजह से यह मुद्दा अब केवल आरक्षण की तकनीकी स्थिति नहीं रह गया है, बल्कि पार्टी की रणनीति, स्थानीय नेतृत्व की पसंद और विभिन्न दावेदारों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से भी जुड़ गया है।

बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में किसे मिलेगा मौका?

आगामी चुनावों से पहले दोनों प्रमुख दलों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि बैकुंठपुर और शिवपुर-चरचा में अध्यक्ष पद के लिए किसे उम्मीदवार बनाया जाए, कांग्रेस के भीतर शिवपुर-चरचा से उठी सार्वजनिक मांग ने अनारक्षित वर्ग के प्रतिनिधित्व पर चर्चा को सामने ला दिया है, वही भाजपा के भीतर भी बाकी दो निकायों में ओबीसी और अनारक्षित वर्ग के दावेदारों को अवसर देने की मांग की चर्चा है, अब देkhना होगा कि दोनों दल इन मांगों को कितना महत्व देते हैं, क्या कांग्रेस शिवपुर-चरचा में अनारक्षित वर्ग की किसी महिला दावेदार को मौका देगी? क्या भाजपा पटना के बाद शेष दो निकायों में अलग-अलग सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति अपनाएगी? या फिर दोनों दल स्थानीय जनाधार और संगठनात्मक समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए अलग-अलग निर्णय लेंगे? फिलहाल इन सवालों का कोई आधिकारिक उत्तर नहीं है, टिकट की घोषणा होने तक संभावित नामों और रणनीतियों को राजनीतिक चर्चाओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए, कुल मिलाकर, कोरिया जिले की दो नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले अनारक्षित सीट पर किस वर्ग को अवसर मिलना चाहिए, यह बहस तेज हो गई है, पटना में भाजपा ने अध्यक्ष प्रयोग का उदाहरण सामने है, तो शिवपुर-चरचा में कांग्रेस नेता की सार्वजनिक मांग ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं, अब निगाह दोनों दलों के निर्णय पर है—वे सामाजिक प्रतिनिधित्व, संगठन की अपेक्षाओं और स्थानीय चुनावी समीकरणों के बीच किस तरह संतुलन बनाते हैं।

बैंक से 2 लाख रुपये निकालते ही उठाई गिरी, प्रतापपुर पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

नगदी 1 लाख 37 हजार रुपये और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त, दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी

—संवाददाता—

सूरजपुर, 10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)

बैंक से रकम निकालकर घर जाने की तैयारी कर रहे एक व्यक्ति के साथ उठाई गिरी की वारदात के मामले में प्रतापपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर पुलिस ने 1 लाख 37 हजार रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मानपुर खड़गवां निवासी रामसेवक गुप्ता ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 सितंबर 2026 को वह अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीएक्स 9297 से प्रतापपुर आया था, यहां सहकारी बैंक और स्टेट बैंक से कुल 2 लाख रुपये निकालकर उसने रकम प्लास्टिक के झोले में रखी थी, इसी दौरान अज्ञात आरोपियों ने कथित तौर पर रकम पर हाथ साफ कर दिया और फरार हो गए, प्रार्थी की शिकायत पर प्रतापपुर थाना में अपराध क्रमांक 280/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 3(5), 112 और 238 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से तलाश—मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतापपुर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, इसके साथ ही



तकनीकी संसाधनों और अन्य संकलित साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पतासाजी की गई, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर आरोपियों की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई, टीम को जिला जशपुर की ओर रवाना किया गया, पुलिस ने बतौली क्षेत्र में दबिश देकर दो संदिग्धों को पकड़ा, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संतोष कुमार मीणा उर्फ मोनु नट (25 वर्ष), पिता वासुदेव मीणा, निवासी ग्राम झक्कड़पुर, स्कूलपारा, थाना पथलगांव, जिला जशपुर तथा रोहित यादव (34 वर्ष), पिता सुंदर यादव, निवासी ग्राम जुरावगंज, थाना कोढ़ा, जिला कटिहार, बिहार के रूप में हुई है।

पूछताछ में वारदात स्वीकार करने का दावा—पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने उठाई गिरी की

वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, उन्होंने बताया कि एक लाख रुपये होंडा साइन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 14 एमडब्ल्यू 3648 की सीट के नीचे छिपाकर रखे गए हैं, जबकि 37 हजार रुपये सफेद गमछे में रखे हुए हैं, आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 1 लाख 37 हजार रुपये नगद बरामद किए। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त की गई, इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी—पुलिस के मुताबिक, इस मामले में दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए पतासाजी की जा रही है, पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस टीम की रही सक्रिय भूमिका

यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन और एसडीओपी प्रतापपुर अनुप एक्का के मार्गदर्शन में की गई, कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रतापपुर दिनेश पुरैना, एसएसआई योगेंद्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक रविशंकर चौबे तथा आरक्षक अशोक कर्नौजिया, राजेश तिवारी और नौशाद सक्रिय रहे, पुलिस की इस कार्रवाई में उठाई गिरी के मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी, नकदी की बरामदगी और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल की जब्त हुई है, वहीं फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।



विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जागरूकता एवं परामर्श ओपीडी

—संवाददाता—

अम्बिकापुर, 10 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)

मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। तनाव, चिंता, अवसाद और नींद की समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। यह संदेश शनिवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में दिया गया। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय के मानसिक स्वास्थ्य विभाग ने पंजीयन हॉल में जागरूकता एवं परामर्श ओपीडी का आयोजन किया। इस दौरान लोगों को

मानसिक समस्याओं के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी गई। वी केयर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने नुकड़ नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। लोगों को नियमित दिनचर्या अपनाने, पर्याप्त नींद लेने, योग और व्यायाम करने तथा अपनी समस्याएं परिवार व विश्वसनीय लोगों से साझा करने की सलाह दी गई। साथ ही मानसिक समस्याओं से जुझ रहे लोगों को प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और उन्हें सामाजिक सहयोग देने की अपील की गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या और सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी के निर्देशन एवं उपस्थिति में आयोजित हुआ।

‘टीबी हारेगा, देश जीतेगा’

सूरजपुर में जोश टीम का शुभारंभ



टीबी मुक्त सूरजपुर की मुहिम तेज, घर-घर पहुंचकर जागरूकता फैलाएगी जोश टीम

टीबी मरीजों को पोषण किट, हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, सूरजपुर में शुरू हुआ जोश अभियान

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी बोले—टीबी मुक्त भारत के लिए समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी

टीबी मुक्त पंचायतों, निक्षय मित्रों और उत्कृष्ट स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

टीबी मरीजों को पोषण आहार किट, हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों को दी गई जांच एवं उपचार की सुविधा

—संवाददाता—

सूरजपुर, 10 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी और सामुदायिक जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में सूरजपुर जिले में ‘जोश’ (जॉइंट स्वाइड फॉर हेल्थ) टीम का शुभारंभ किया गया, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली से इस पहल का शुभारंभ किया। इसी क्रम में सूरजपुर के मंगल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी, वालंटियर और नागरिक वंचुअल माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान जिला स्तरीय जोश टीम का शुभारंभ करते हुए टीबी उन्मूलन के लिए सामुदायिक सहभागिता, संभावित मरीजों की पहचान, समय पर जांच और उपचार पूरा कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण आहार किट तथा पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए, इसके साथ ही टीबी मुक्त पंचायतों, निक्षय मित्रों और बीमारी के उन्मूलन के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया, सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में

घर-घर पहुंचेगी जोश टीम, संभावित मरीजों की पहचान पर रहेगा जोर-

टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संभावित मरीजों को जांच एवं उपचार से जोड़ने के लिए जोश टीम का गठन किया गया है, इस टीम में एनसीसी कैडेट्स और माय भारत से जुड़े वालंटियर शामिल हैं। इनका प्रमुख कार्य घर-घर जाकर लोगों को टीबी के लक्षणों, जांच, उपचार और बीमारी से बचाव के संबंध में जागरूक करना होगा, दी गई जानकारी के अनुसार, प्रत्येक विकासखंड में पांच एनसीसी कैडेट्स और पांच माय भारत वालंटियर को शामिल कर टीम गठित की गई है, सूरजपुर जिले के प्रत्येक विकासखंड के लिए भी एक टीम बनाई गई है, ये टीमें गांवों और बस्तियों में जाकर लोगों से संवाद करेंगी तथा टीबी के संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों को जांच के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने हेतु प्रेरित करेंगी, जोश टीम की भूमिका केवल जागरूकता संदेश देने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समुदाय और स्वास्थ्य विभाग के बीच संपर्क मजबूत करने पर भी जोर रहेगा, वालंटियर लोगों को यह समझाने का प्रयास करेंगे कि बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर जांच कराने में देरी नहीं करनी चाहिए, साथ ही, उपचार शुरू होने के बाद चिकित्सकीय सलाह के अनुसार दवा का नियमित सेवन और उपचार पूरा करना भी जरूरी है, इस पहल के माध्यम से युवाओं को स्वास्थ्य जागरूकता अभियान से जोड़कर टीबी उन्मूलन को सामुदायिक आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधाओं का लाभ लिया, कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बीमारी से जुड़े भय और भ्रांतियों को दूर करने तथा टीबी मुक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की शपथ भी ली।

जनभागीदारी से ही पूरा होगा टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य— कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का संकल्प केवल स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने ‘टीबी हारेगा, देश जीतेगा’ का संदेश देते हुए कहा कि टीबी से पीड़ित व्यक्ति को उपचार के लिए प्रेरित करना, उसका मनोबल बढ़ाना और बीमारी के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना हम सभी की जिम्मेदारी है, विधायक ने कहा कि टीबी के संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों और वालंटियरों की महत्वपूर्ण भूमिका है, मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार नियमित दवा लेने और उपचार पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

समय पर जांच और उचित उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाकर इस बीमारी के खिलाफ सामूहिक लड़ाई को मजबूत किया जा सकता है, उन्होंने स्वस्थ दिनचर्या अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए, इसके लिए जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठनों को मिलकर प्रयास करने होंगे। सामूहिक सहभागिता से जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

कलेक्टर रेना जमील ने बताई वालंटियरों की जिम्मेदारी—कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि टीबी मुक्त अभियान में जोश टीम के वालंटियर, ग्राम पंचायत सचिव, एनसीसी कैडेट्स, माय भारत से जुड़े युवा और जनप्रतिनिधि महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, इनके सहयोग से संभावित मरीजों की पहचान करने, उन्हें जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करने और उपचार पूरा कराने में सहायता मिलेगी, उन्होंने कहा कि टीबी के लक्षणों की पहचान कर संभावित व्यक्ति को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना आवश्यक है, गांवों में जागरूकता

पंचायतों और गांवों तक पहुंचे स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश-

जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकड़ा ने कहा कि टीबी की समय पर जांच और उपचार के लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है, उन्होंने गांवों के पारा-मोहल्लों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने और नागरिकों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया, उन्होंने पात्र हितग्राहियों से आयुष्मान कार्ड बनवाने और योजना के अंतर्गत उपलब्ध उपचार सुविधाओं का लाभ लेने की अपील भी की, उनके अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वालंटियरों की सक्रियता महत्वपूर्ण है, जनपद पंचायत अध्यक्ष स्वाती सिंह ने टीबी मरीजों के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने की आवश्यकता बताई, उन्होंने कहा कि बीमारी को छिपाने के बजाय जांच कराना और उपचार पूरा करना जरूरी है, समाज को मरीजों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए, ताकि वे बिना किसी डर या संकोच के उपचार करा सकें, उन्होंने नागरिकों से टीबी के संभावित लक्षणों के प्रति सजग रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की, अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी गांव, जनपद और विकासखंड स्तर पर जागरूकता अभियान में सहयोग देने तथा सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बात कही।

बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर काम करना होगा, वालंटियर और पंचायत प्रतिनिधि स्थानीय स्तर पर लोगों से संवाद कर सकते हैं तथा मरीजों और उनके परिवारों को सही जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं, कलेक्टर ने अभियान में सभी संबंधित पक्षों की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से टीबी मुक्त सूरजपुर का संकल्प साकार किया जा सकता है, बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंदों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना अभियान के महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं।

दो सप्ताह से अधिक खासी हो तो कराएं जांच—मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने टीबी के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और उपचार पूरा करने के महत्व पर जानकारी दी, उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खासी बनी रहती है, तो उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराना चाहिए, उन्होंने जोश टीम के सदस्यों और आम नागरिकों से जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और टीबी मरीजों को सहयोग देने से जुड़े प्रयासों को एक

की अपील की, बीमारी की समय पर पहचान होने से मरीज को उचित चिकित्सकीय सलाह और उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलती है, डॉ. सिंह ने जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी गांवों तक पहुंचाने और लोगों को उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया, टीबी के प्रति डर और भ्रांतियों को दूर करना भी जरूरी है, ताकि लोग लक्षण दिखाई देने पर जांच कराने से पीछे न हटें।

टीबी मरीजों को पोषण आहार, हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड—जिला स्तरीय कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरित की गई, यह पहल उपचार के दौरान मरीजों को सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई, कार्यक्रम में पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड भी दिए गए, जिससे उन्हें योजना के अंतर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया, सेवा संकल्प अभियान के तहत लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित नागरिकों को जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, इस तरह कार्यक्रम में जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और टीबी मरीजों को सहयोग देने से जुड़े प्रयासों को एक

साथ जोड़ा गया।

टीबी मुक्त पंचायतों, निक्षय मित्रों और स्वास्थ्यकर्मियों का सम्मान— कार्यक्रम में टीबी मुक्त पंचायतों को सम्मानित किया गया, इसके साथ ही निक्षय मित्रों और टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मान प्रदान किया गया, सम्मान समारोह के माध्यम से टीबी के खिलाफ चल रहे प्रयासों में योगदान देने वाले लोगों और पंचायतों की भूमिका को रेखांकित किया गया, कार्यक्रम का संदेश रहा कि टीबी उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं के साथ समुदाय का सहयोग भी जरूरी है, पंचायत प्रतिनिधि, युवा वालंटियर, स्वास्थ्यकर्मी और आम नागरिक मिलकर संभावित मरीजों को जांच तक पहुंचाने, उपचार के प्रति जागरूक करने तथा बीमारी को लेकर फैले सामाजिक भय को कम करने में योगदान दे सकते हैं, कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक सिंह पाटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, जोश टीम के वालंटियर और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

साझा प्रयासों से

बनेगा टीबी मुक्त सूरजपुर

सूरजपुर में जोश टीम का शुभारंभ टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में एक पहल है, घर-घर जाकर जागरूकता फैलाने, संभावित मरीजों को जांच के लिए प्रेरित करने, नियमित उपचार के महत्व को समझाने और मरीजों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी अब स्वास्थ्य विभाग के साथ समुदाय के विभिन्न समूहों की भी होगी, ‘टीबी हारेगा, देश जीतेगा’ का संदेश सभी सार्थक होगा, जब बीमारी के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा, मरीज समय पर जांच और उपचार प्राप्त करेंगे तथा समाज उन्हें सहयोग देगा, जोश टीम, पंचायत प्रतिनिधियों, युवाओं, स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों की सहभागिता से टीबी मुक्त सूरजपुर और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रयासों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

साइबर ठगी के पीड़ितों को कानूनी मदद दिलाने बनेगा विशेष प्रकोष्ठ, पैरालीगल वॉलेंटियर्स को मिला प्रशिक्षण

डिजिटल अरेस्ट, साइबर सुरक्षा और ठगी की रकम की वसूली की प्रक्रिया समझाई गई जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर में बनेगा साइबर कानूनी सहायता प्रकोष्ठ

—संवाददाता—

बैकुंठपुर 10 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच पीड़ितों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरिया, बैकुंठपुर ने पहल की है। साइबर अपराध पीड़ितों को विधिक सहायता देने और ठगी गई राशि की वसूली में मदद करने के लिए वर्ष 2026 की योजना के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में साइबर कानूनी सहायता प्रकोष्ठ बनाया जाएगा, इस प्रकोष्ठ के माध्यम से पीड़ितों को शिकायत दर्ज कराने से लेकर बैंक, साइबर पुलिस और न्यायालय स्तर पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में सहायता मिलेगी। इसी उद्देश्य से 9 अक्टूबर 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर में पैरालीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी प्रेस विज्ञापन में दी गई है, यह पहल माननीय उच्चतम न्यायालय के 4 अगस्त 2026 के आदेश के अनुपालन में छत्तीसगढ़ राज्य



विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई योजना से संबंधित है।

साइबर ठगी से बचाव और कानूनी प्रक्रिया की दी जानकारी— प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर सेल बैकुंठपुर के विशेषज्ञ शिवम सिंह

ने सक्रिय पैरालीगल वॉलेंटियर्स को साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी और साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी, प्रशिक्षण का उद्देश्य पीएलवी को इस योग्य बनाना है कि वे आम नागरिकों को

साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बता सकें और ठगी का शिकार हुए लोगों को कानूनी सहायता तक पहुंचाने में सहयोग कर सकें, प्रशिक्षण के बाद पैरालीगल वॉलेंटियर्स गांवों, बस्तियों और आमजन के बीच जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके साथ ही साइबर धोखाधड़ी से प्रभावित लोगों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जोड़ने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे।

बैंक से लेकर न्यायालय तक मिलेगी सहायता— प्रेस विज्ञापन के अनुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरिया में प्रस्तावित साइबर कानूनी सहायता प्रकोष्ठ में प्राधिकरण की सचिव के साथ पैरालीगल अधिवक्ता, पैरालीगल वॉलेंटियर्स, साइबर पुलिस अधिकारी के नोडल अधिकारी तथा अभिलेख संबंधी कर्मचारी शामिल होंगे, इनकी जिम्मेदारी पीड़ितों को कानूनी सहायता देना, पुलिस और बैंक से समन्वय करना तथा मामलों की निगरानी करना होगी, यदि साइबर ठगी की रकम किसी अन्य व्यक्ति के खाते में पहुंच चुकी है, तो पीड़ित को संबंधित खातों की पहचान और उपलब्ध कानूनी प्रक्रिया के तहत सहायता प्रदान की जाएगी, इसका उद्देश्य पीड़ितों को शिकायत दर्ज कराने के बाद भी उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना और उन्हें कानूनी प्रक्रिया में अकेला न छोड़ना है।

आम लोगों तक पहुंचेगी जागरूकता— साइबर अपराध के मामलों में कई बार लोग भय, जानकारी के अभाव या कानूनी प्रक्रिया की जटिलता के कारण समय पर उचित कदम नहीं उठा पाते, ऐसे में पैरालीगल वॉलेंटियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

वे लोगों को साइबर ठगी की शिकायत करने, उपलब्ध कानूनी सहायता प्राप्त करने और संबंधित विभागों तक पहुंचने की प्रक्रिया समझाएंगे, प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल पीएलवी को जानकारी देना नहीं, बल्कि इस जानकारी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी है, इससे साइबर अपराध पीड़ितों को समय पर सहायता दिलाने और डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति आम नागरिकों को सतर्क करने में मदद मिलने की उम्मीद है, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की यह पहल साइबर अपराध पीड़ितों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने, बैंक और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करने तथा ठगी की रकम की वसूली के लिए उपलब्ध कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

किया कि किसी व्यक्ति की शारीरिक बनावट को मजाक का विषय बनाना स्वीकार्य नहीं है। उनके मुताबिक, बहस के दौरान भी सामने वाले के सम्मान का ध्यान रखा जाना चाहिए। आंचल ने अपनी प्रतिक्रिया में आम्प्राली की पेशेवर पहचान और उनका प्रतिभा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान बहन ने अपने अभिनय और प्रदर्शन के दम पर इंस्ट्रूटी में पहचान बनाई है। उनके शरीर का आकार उनको उपलब्धियों को कम नहीं करता। आंचल के मुताबिक, आम्प्राली ने अपने काम से दर्शकों का दिल जीता है और उनकी पहचान उसी काम के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें और उनका परिवार को आम्प्राली पर गर्व है। इस तरह आंचल ने निजी टिप्पणी का जबाब अभिनेत्री की मेहनत और कौशलियत का जिक्र करके दिया। अपनी पोस्ट में आंचल ने मुकाबले के दौरान गरिमा बनाए रखन पर जोर दिया। उनका कहना था कि किसी के शरीर पर टिप्पणी करना कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने आपोपन लगाया कि जब आम्प्राली के खिलाफ कहने के लिए ठोस बात नहीं मिली, तो उनके शारीरिक रूप-रंग को निशाना बनाया गया। आंचल की आपत्ति केवल एक शब्द तक सीमित नहीं थी। उन्होंने बहस के दौरान व्यक्तिगत टिप्पणियों को सामान्य मान लेने पर भी सवाल उठाया और कहा कि कलाकार का काम उसको योग्यता बताने के लिए पर्याप्त है। इस विवाद में पहली बज्ज का नाम आने के पीछे उनका पिछली टिप्पणियों का संदर्भ भी है। रिपोर्टरों के मुताबिक, माही ने पहले आम्प्राली के लिए 'पुट्बाळी' शब्द इस्तेमाल किया था। आंचल ने अपनी प्रतिक्रिया में माही और गुल्लू दोनों की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। आम्प्राली के परिवार का पक्ष है कि उनको बनावट को लेकर बार-बार मजाक किए जाने को अनेहदा नहीं किया जाना चाहिए। इस बार 'मोटे-पतले' वाले कमेंट के बाद परिवार ने सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी सामने रखी है। आम्प्राली की टीम ने भी इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। टीम ने शो के निर्माताओं से सवाल किया कि क्या इस टिप्पणी पर 'वीकेंड का वार' में चर्चा होगी। अपनी बात रखते हुए टीम ने पहले हनुमं 'छोटा भीम', 'इंदुमती' और 'छुटकी' से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। टीम का तर्क है कि जब उसका बातची को शो में उठया गया था, तो आम्प्राली के शरीर को लेकर की गई टिप्पणी पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। टीम ने मौजूदा मामले को बॉडी शेपिंग बताते हुए इसे गंभीरता से लेने की मांग की है। आंचल की पोस्ट से यह स्पष्ट है कि परिवार आम्प्राली के समर्थन में खड़ा है। उन्होंने अभिनेत्री की प्रतिभा, उसके प्रदर्शन और दर्शकों के बीच भी पहचान को अपनी प्रतिक्रिया का संकेत बनाया। साथ ही उन्होंने अपने प्रसंग दिया कि पर में प्रतियोगिता और असमर्पित के बावजूद व्यक्तिगत सम्मान कायम रहना चाहिए। उनके सवालों का मुख्य आधार यही है कि किसी प्रतियोगी की बात का जबाब उसके शरीर पर टिप्पणी करके क्यों दिया जा रहा है। आंचल ने इस व्यवहार को गलत बताते हुए अपनी बहन की पेशेवर उपलब्धियों को सामने लाया है। अब परिवार और आम्प्राली की टीम की निगाहें 'वीकेंड का वार' पर है, ये उम्मीद कर रहे हैं कि सलमान खान इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्टरों में अभी यह पुष्टि नहीं है कि संबंधित प्रतियोगियों को इस टिप्पणी के लिए कोई सजा दी या है मेकर्स ने किसी कार्रवाई का एलान नहीं किया है। फिलहाल मामला आंचल की आपत्ति और टीम की मांग तक पहुंचा है। आने वाले एपिसोड में ही स्पष्ट होगा कि शो में इस विवाद को किस तरह उठाया जाता है।

खेल-समाचार

अ.क्र.	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		नया वनोपज		योग	
		लट्टा	बल्ली / डैंगरी	लट्टा	बल्ली / डैंगरी	लट्टा	बल्ली / डैंगरी
		घ.मी	नग	घ.मी	नग	घ.मी	नग
1	सागौन	489.427	10861	4.012	81	493.439	10942
2	साल	5051.795	7771	444.583	271	5496.378	8042
3	बौजा	536.374	780	40.677	78	577.051	858
4	तिसा	47.710	489	0.203		47.913	489
5	शीशम	0.000	0			0.000	0
6	खम्हार	0.208	32			0.208	32
7	हल्दू	17.901	17	5.143		23.044	17
8	साजा	255.698	1455	13.720	44	269.418	1499
9	धावड़ा	217.659	1537	42.333	89	259.992	1626
10	सलिहा	3.245	0			3.245	0
11	नीलगिरी	5.122	130			5.122	130
12	शीशु	0.000	0			0.000	0
13	अन्य	635.897	2931	9.367	192	645.264	3123
14	तेन्दू	22.152	17	0.480		22.632	17
	योग (काष्ठ)	7283.188	26020	560.518	755	7843.706	26777
14	सागौन जलाऊ	0	घट्टा	0	घट्टा	0	घट्टा
15	सतकड़ा जलाऊ	808	घट्टा	0	घट्टा	808	घट्टा
16	करा जलाऊ	0	घट्टा	0	घट्टा	0	घट्टा
17	नीलगिरी	0	घट्टा	0	घट्टा	0	घट्टा
18	सलिहा जलाऊ	36	घट्टा	0	घट्टा	36	घट्टा
	योग (जलाऊ)	844	घट्टा	0	घट्टा	844	घट्टा
19	व्यापारिक बांस (नग)	0	नग	0	नग	0	नग
		0.000	नो.टन	0.000	नो.टन	0.000	नो.टन
20	औद्योगिक बांस (बण्डल)	426	बण्डल	0.00	बण्डल	426	बण्डल
		3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन
	योग (बांस)	3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन

17 अक्टूबर - बांग्लादेश बनाम जिम्बाब्वे, अबू धाबी
19 अक्टूबर - अफगानिस्तान बनाम जिम्बाब्वे, अबू धाबी
21 अक्टूबर - अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, शारजाह
23 अक्टूबर - फाइनल, शारजाह

विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से तैयार होंगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

सैंध लेक सिटी और इलेथियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर, 10 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में योजनाबद्ध रूप से आगे बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के जेआर में आयोजित सैंध लेक सिटी और इलेथियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में प्रस्तावित विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स क्लब की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में खेल संस्कृति को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर क्लब के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बेडमिंटन खिलाड़ी एवं स्वर्णपदक विजेता गोपीचंद का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय बेडमिंटन को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनके मार्गदर्शन में अनेक खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। नवा रायपुर में उनकी



बेडमिंटन अकादमी की शुरुआत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि वे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी करते हैं। खेलों में निवेश वास्तव में हमारी युवा पीढ़ी और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य में निवेश है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दे रही है।

बस्तर ओलंपिक ने बदली तस्वीर, गांवों से निकलकर मैदान तक पहुंच रहे युवा

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच बना है। बस्तर ओलंपिक के पहले वर्ष में लगभग एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग तीन लाख 91 हजार हो गई। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी बताती है कि बस्तर के युवाओं में खेलों को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है और क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आज युवा बंदूक और हिंसा से दूर होकर खेल, शिक्षा, कौशल और रोजगार के माध्यम से अपने भविष्य को संवारने के लिए आगे आ रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि सुदूर गांव की प्रतिभा को भी वही अवसर और मंच मिले, जो बड़े शहरों के खिलाड़ियों को उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 'खेलो इंडिया' के अंतर्गत राष्ट्रीय जनजातीय खेलों का सफल आयोजन किया गया है। प्रदेश के खिलाड़ी भी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव तथा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य संजू देवी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां अपने परिश्रम और प्रतिभा से प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं।

नक्सलवाद से मुक्ति के साथ बस्तर में खुल रहे धर्मोत्स के नए द्वार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता उनकी सरकार के लगभग पौने तीन वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। चार दशकों से अधिक समय तक नक्सलवाद ने बस्तर सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों के विकास को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक दिशा मिली है। उन्होंने सुरक्षा बलों के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि इस परिवर्तन में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्थानीय लोगों के विश्वास और सहयोग से आज उन क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, खेल और रोजगार की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत प्रदेशवासियों से किए गए वादों को पूरा करने के साथ सुशासन और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।



खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने खेलों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। केंद्र सरकार की 'खेलो इंडिया' सहित विभिन्न योजनाओं के समन्वय से प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित की जा रही है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, आवश्यक सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक प्रतिभाशाली खिलाड़ी, चाहे वह किसी शहर से हो या सुदूर वनांचल से, संसाधनों के अभाव में पीछे न रहे। प्रतिभा को अवसर से जोड़ना और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित राज्य बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य की प्राकृतिक संपदा और पारंपरिक सामर्थ्य के साथ नई तकनीक, आधुनिक उद्योग, सेवा क्षेत्र और मानव संसाधन के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, वनोपज, जल संसाधन और ऊर्जा के क्षेत्र में समृद्ध है। प्रदेश के मेहनतकश लोग हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं।

रायपुर में झारखंड की अवैध शराब पकड़ाई तस्कर 660 किलोमीटर बाइक चलाकर पहुंचा था, प्वाइंटर की सूचना पर आबकारी अफसरों ने घेराबंदी कर दबोचा



रायपुर, 10 अक्टूबर 2026। झारखंड के बोकारो से शराब तस्कारी कर रायपुर में बेचने वाले शातिर तस्कर को आबकारी निरीक्षक की टीम ने पकड़ा है। आरोपी बोकारो जिले से 660 किलोमीटर बाइक चलाते हुए शराब लेकर रायपुर पहुंचा था। आरोपी के पास आबकारी टीम ने रॉयल ब्रॉड की 30.3 लीटर देशी शराब बरामद की है। आरोपी तस्कर का नाम बोकारो

निवासी राजेश प्रसाद सिंह बताया जा रहा है। नरदह-चंद्रखुरी मार्ग पर घेराबंदी कर पकड़ा : सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोष सिंह ने बताया कि, झारखंड की शराब तस्कारी कर रायपुर लाने की जानकारी मुखबिर से मिली थी। सूचना पर नरदह-चंद्रखुरी मार्ग पर जांच शुरू की। चंद्रखुरी की तरफ से आ रहे संधिध बाइक सवार को आबकारी की टीम ने रोका।

आरोपी की तलाशी के दौरान शराब बरामद हुई है।

कलेक्टर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

आबकारी अधिकारियों के अनुसार, रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने शराब तस्कारी करने वाले आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी उपायुक्त प्रवीण शर्मा की मॉनिटरिंग में कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर में 18 तहसीलदार और नायब-तहसीलदारों की नई पदस्थापना

तहसीलदार प्रकाश साहू की लगातार शिकायतें, कलेक्टर ने हटाया, आकाश गुप्ता को दी जिम्मेदारी

बिलासपुर, 10 अक्टूबर 2026। बिलासपुर जिले में राजस्व प्रशासन में बदलाव करते हुए कलेक्टर ने 18 तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। बिलासपुर तहसीलदार प्रकाश साहू के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थी, जिसके चलते कलेक्टर ने उन्हें हटा दिया है। बिलासपुर, मस्तूरी, बिल्हा, रतनपुर, बोदरी, सीपत, सकरी, तखतपुर, पंचपेड़ी और बेलगहना सहित विभिन्न तहसीलों में अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने तहसीलदार प्रकाश चंद साहू को बिलासपुर से मस्तूरी भेज दिया है। उनके खिलाफ लगातार अवैध वसूली व राजस्व प्रकरणों के निराकरण करने में लेटलतपी करने की शिकायतें मिल रही थी। प्रकाश की जगह अब अतिरिक्त तहसीलदार आकाश गुप्ता को तहसीलदार बनाया गया है। जारी आदेश के अनुसार लखेश्वर प्रसाद किरण को मस्तूरी से बोदरी, राजेंद्र भारत को बिल्हा से रतनपुर, राहुल शर्मा को सकरी से बिल्हा,



सोनु अग्रवाल को रतनपुर से सकरी और सदीप साय को बोदरी से सीपत भेजा गया है। अतिरिक्त तहसीलदार प्रकृति धुव को बिलासपुर से सीपत पदस्थ किया गया है। विभोर यादव को बेलगहना के तहसीलदार : पदोन्नति के बाद विभोर यादव को बेलगहना तहसीलदार बनाया गया है।

राहुल साहू को बेलगहना से तखतपुर, टोपलाल सिंदार को सकरी से बेलगहना और पंकज सिंह को अतिरिक्त तहसीलदार, रतनपुर की जिम्मेदारी दी गई है। नायब तहसीलदारों को भी नई जिम्मेदारी : नायब तहसीलदार शुभांगी गुप्ता को मस्तूरी से पंचपेड़ी, अनिरुद्ध तिवारी को

तखतपुर से बिलासपुर, अग्रिम पांडेय को कोटा से बिलासपुर और अंकित राजपूत को रतनपुर से सकरी भेजा गया है। स्थानांतरण पर जिले में आई तहसीलदार श्वेता यादव को अतिरिक्त तहसीलदार, उप तहसील सकरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जयश्री राजन पथे को तहसीलदार, नजूल एवं प्रोटोकॉल शाखा में पदस्थ किया गया है।

राजस्व प्रकरणों के बीच बदली जिम्मेदारियां

जिले में जमीन विवाद, सीमांकन और नामांतरण जैसे राजस्व मामलों के निराकरण को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। इन मामलों में कार्रवाई को लेकर अधिकारियों तक शिकायतें पहुंचती हैं। ऐसे में नई पदस्थापनाओं से तहसील स्तर पर कामकाज और राजस्व प्रकरणों के निराकरण की व्यवस्था में बदलाव होगा। अब नई जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों के कामकाज पर नजर रहेगी।

छत्तीसगढ़ के 4 शहरों को मिलेंगी 240 इलेक्ट्रिक बसें, डिप्टी सीएम अरुण साव की मौजूदगी में आज होगा बड़ा समझौता

रायपुर, 10 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के चार बड़े शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसें के संचालन के लिए आज कंसेशन एग्रीमेंट किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और कोरबा नगर निगम का चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के साथ कंसेशन एग्रीमेंट होगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत होने वाले इस समझौते से चारों शहरों में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू करने का रास्ता साफ होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट कार्यक्रम में प्रदेश के आठ नगरीय निकायों के महापौर और आयुक्त शामिल होंगे। इनमें रायपुर की महापौर मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी, कोरबा की महापौर संजू देवी राजपूत, दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, रिसाली की महापौर शशि सिन्हा, भिलाई के महापौर नीरज पाल,



बीरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन तथा भिलाई-चरोदा के महापौर निर्मल कोसरे शामिल हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, संचालक नीलेश क्षीरसागर और सुझ के सीईओ सुमीत अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के पहले चरण

में प्रदेश के चार नगर निगमों में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने की योजना है। इनमें सबसे अधिक 100 बसें रायपुर में चलेंगी। दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर को 50-50 तथा कोरबा को 40 बसें मिलेंगी। बसों के संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बिलासपुर और भिलाई में 1 नवम्बर 2026 तक प्रतीकात्मक रूप से 20-20 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू

करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि ई-बसों में यात्रियों की सुविधा के साथ सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

बसें आधुनिक और हार्डटेक सुविधाओं से लैस होंगी। यात्रियों को मोबाइल स्कैन के माध्यम से किराए का भुगतान करने और ऑनलाइन टिकट लेने की सुविधा मिलेगी। सुरक्षा के लिए प्रत्येक बस में छह कैमरे लगाए जाएंगे। यात्री मोबाइल एप से बसों के रूट की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। बोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना का उद्देश्य शहरी सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ, सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल बनाना है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने, वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी। इससे नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ शहरों की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के प्रयासों को भी गति मिलेगी।

रायपुर कलेक्टर ने ली बैठक... डिजिटल क्रांप सर्वे जल्द पूरा करने के निर्देश, पीएम किसान योजना में खाता सुधार के लिए चलेगा अभियान



रायपुर, 10 अक्टूबर 2026। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट में समय-सोमा फॉलो अप बैठक लेकर जिले में चल रहे कामों की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल क्रांप सर्वे का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत बैंक खातों में सुधार की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े कामों में तेजी लाई जाए और मैदान स्तर पर नियमित निगरानी की जाए, ताकि लोगों को समय पर सुविधाएं मिल सकें।

लंबित आवेदनों पर फोकस करने के निर्देश : इसके बाद कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूरीचर गुप्त बिजली योजना की समीक्षा की। बैठक में योजना के तहत मिले आवेदन, स्वीकृत प्रकरण, सब्सिडी वितरण और घरों में लगाए गए सोलर

सिस्टम की स्थिति की जानकारी ली गई। उन्होंने योजना का काम तेजी से पूरा करने और लंबित आवेदनों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि, योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी संबंधित विभाग और बैंक आपसी तालमेल से काम करें। उन्होंने गांवों और वार्डों में जागरूकता अभियान चलाने और शिविर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही तकनीकी मंजूरी, ऋण और सब्सिडी की प्रक्रिया में देरी नहीं करने को कहा।

ये अधिकारी रहे मौजूद : इस बैठक में कलेक्टर ने सभी बैंकों और संबंधित विभागों को हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त सविता मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, लीड बैंक मैनेजर मोहम्मद मोफिज सहित विभिन्न विभागों, बैंकों, बिजली विभाग और संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।